संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 310
पृष्ठ 8
मंगलवार
30 जुलाई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- रोजाना सुबह पिएं तुलसी का..
विचार- विनम्रता,सहजता और संकल्प दीर्घ...
खेल- अश्विन ने चखा अपनी ही दवा का..

जगविख्यात है कांवड़ यात्रा, कोई भी पर्व व त्योहार, साधना बिना आत्मानुशासन के पूरी नहीं होती : योगी

- सीएम ने अपने सरकारी आवास पर सोमवार को की मीडिया से बातचीत
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रावण मास के द्वितीय सोमवार की दीं शुभकामनाएं
- बोले- सरकार का प्रयास, कहीं भी दिक्कत, अव्यवस्था और आस्था से खिलवाड़ न हो

लखनऊ, एजेंसी। आज सावन महीने का दूसरा दिन है। श्रावण मास के साथ ही कांवड़ यात्रा भी शुरू हो गई थी। इस यात्रा को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, केंद्र और राज्य सरकार ने मिलकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा, सुगम और सुरक्षित कांवड़ यात्रा के लिए अनेक प्रबंध किए हैं। कहीं कोई दिक्कत, अव्यवस्था न हो और कोई भी आस्था के साथ खिलवाड़ न करने पाए, इन बातों को ध्यान में रखा गया है। उन्होंने कहा कि समाज के अलग–अलग तबके के लोग कांवड़ यात्रियों के लिए तत्परता से कार्य कर रहे हैं। उनके अनुसार, सरकार भी बेहतर स्वच्छता और स्वास्थ्य शिविर लगाकर अनेक प्रयास कर रही है। आवश्यकतानुसार ड्रोन व हेलीकॉप्टर से निगरानी व पुष्प वर्षा की व्यवस्था भी की गई है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज सावन के दूसरे सोमवार की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हम लोग शिवभक्त हैं। महादेव की असीम कृपा हम पर बनी रही है। महादेव से प्रार्थना करते हैं कि उनकी कृपा सदैव बनी रहे। कोई भी पर्व व त्योहार, साधना बिना आत्मानुशासन के पूरी नहीं होती है। सुगम और सुरक्षित यात्रा के लिए हमें न केवल अंतःकरण, बल्कि बाहरी रूप से भी इस प्रक्रिया के साथ लीन होना पड़ेगा। शिवो भूत्वा शिवं यजेत (शिव बनने के लिए शिव जैसी साधना भी चाहिए)। सीएम योगी ने कहा कि आत्मानुशासन भी चाहिए। तब यह कांवड़ यात्रा न केवल श्रद्धा व विश्वास के प्रतीक, बल्कि आमजन के व्यापक विश्वास का प्रतीक बनकर उभरेगी। सीएम योगी ने कहा कि असीम श्रद्धा भाव के साथ जनता–जनार्दन व समाज के अलग–अलग तबके के लोग कांवड़ यात्रियों के लिए तत्परता से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने शिवभक्तों से अपील की कि हम व्यवस्था के साथ जुड़कर यात्रा का न केवल आनंद लें, बल्कि श्रद्धा–विश्वास के साथ आत्मानुशासन का परिचय देते हुए पावन श्रावण मास के कांवड़ यात्रा कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने में योगदान दें।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक कदम

शुरू हुआ विशेष लोक अदालत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या कम करने के उद्देश्य से सुप्रीम कोर्ट ने अपनी पहली विशेष लोक अदालत शुरू की है। लोक अदालत 29 जुलाई से 3 अगस्त तक लगेगी। लोक अदालत हर दिन दोपहर 2 बजे के बाद आयोजित की जाएगी और मामले की सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट के दो न्यायाधीश, एक वरिष्ठ वकील और एक एडवोकेट–ऑन–रिकॉर्ड होंगे। इस मौके पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि इस पूरे हफ्ते सुप्रीम कोर्ट की 7 बेंचों द्वारा लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। आज हमारा अनुभव यह था कि यह एक ज़बरदस्त सफलता थी। लोक अदालत जिसमें बार, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों का सहयोग है और उच्च न्यायालयों, राज्य सरकारों और बीमा कंपनियों द्वारा व्यापक जमीनी काम किया गया है। सीजेआई ने आगे कहा कि विचार यह है कि छोटे–छोटे मामले निपटाए जाएं। लोगों को पता ही नहीं चलता कि सुप्रीम कोर्ट में छोटे–छोटे मामले कैसे आते हैं। इसलिए हमने सेवा विवाद, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण मामले, मोटर दुर्घटना दावा मामले, चेक अनादरण मामले से जुड़े मामलों को चुना। उन्होंने आगे कहा कि न्यायाधीशों के साथ लोक अदालत पैनल के हिस्से के रूप में बार सदस्यों की उपस्थिति ने पूरे समाज में सही संदेश भेजा है कि हम न्याय करने के अपने प्रयासों में एकजुट हैं, खासकर इन छोटे मामलों में शामिल नागरिकों को। मुझे उम्मीद है कि यह लोक अदालत अब भविष्य में उच्चतम न्यायालय में संस्थागत हो जायेगी। डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि मुझे एक मामला याद है जिसमें पति ने तलाक की कार्यवाही पटियाला हाउस कोर्ट में दायर की थी और उसकी पत्नी ने भरण–पोषण की कार्यवाही दायर की थी और बच्चों की कस्टडी के लिए याचिका दायर की थी।

अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू आधार शिविर से 1,831 तीर्थयात्री रवाना

जम्मू, एजेंसी। बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए 1,831 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था सोमवार को जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास आधार शिविर से श्री अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। तीर्थयात्री 63 वाहनों के बेड़े में पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों के लिए रवाना हुए।

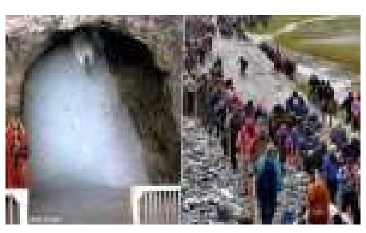

बालटाल के लिए 568 और पहलगाम के लिए 1263 तीर्थयात्री कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आधार शिविर से रवाना हुए। पिछले साल, 4.5 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने गुफा मंदिर में दर्शन किए। कुल 52 दिनों तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा 19 अगस्त को समाप्त होगी।

भारतीय विशेषज्ञ दुनिया की बड़ी–बड़ी कंपनियों के मुखिया हैं : प्रधान

नयी दिल्ली, एजेंसी। शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि भारतीय मेधा दुनिया में देश का नाम रोशन कर रही है और विज्ञान तथा चिकित्सा जैसे क्षेत्रों की अनेक कंपनियों में यहां के विशेषज्ञ सर्वोच्च पदों पर आसीन हैं। श्री प्रधान ने तृणमूल कांग्रेस के सौगत राय के देश के बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के शिक्षा के लिये विदेशों में जाने और प्रतिभा पलायन संबंधी सवाल के जवाब में कहा कि यह देखने का अपना–अपना नजरिया है। उन्होंने कहा कि प्रतिभा का

पलायन नहीं हो रहा है। विभिन्न क्षेत्रों के भारतीय विशेषज्ञ दुनिया की बड़ी–बड़ी कंपनियों के सर्वोच्च पदों पर बैठे हैं। श्री प्रधान ने कांग्रेस के के. सी. वेणुगोपाल के उच्च शिक्षण संस्थानों और कोचिंग संस्थानों के विद्यार्थियों के आत्महत्या करने की बढ़ती प्रवृत्ति रोकने के उपाय किये जाने के बारे में पूछे जाने पर कहा कि राज्य सरकारों के साथ मिलकर इस गंभीर मसले से निपटने की कोशिश की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में राज्य सरकारों के अपने दिशा–निर्देश हैं। उन्होंने एक अन्य पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान और भारतीय प्रबंधन संस्थान जैसे भारतीय शैक्षणिक संस्थानों की दुनिया में उच्च स्तर की रैंकिंग है।

दिल्ली कोचिंग दुर्घटना के दोषियों पर सख्त कार्रवाई की

नयी दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा ने दिल्ली के एक कोचिंग संस्थान में छात्रों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पूरी घटना की समग्रता से जांच की जानी चाहिए और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। सदन में "प्राधिकारियों की कथित लापरवाही के कारण हाल में ही दिल्ली के एक कोचिंग संस्थान में छात्र और छात्राओं की दुखद मृत्यु की घटना पर" अल्पकालिक चर्चा की शुरुआत करते हुए भारतीय जनता पार्टी के सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि इस घटना के दोषियों के विरुद्ध सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीवर और जल निकासी की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी, जल बोर्ड और दिल्ली नगर निगम की है। स्थानीय सरकार और उसके मंत्री अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक छात्र ने संबंधित कोचिंग संस्थान के बारे में अधिकारियों को दो महीने तक शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गयी। उन्होंने कहा कि

हजारों कोचिंग संस्थान और पुस्तकालय भवनों तहखानों में चल रहे है। यह सब भ्रष्टाचार के कारण चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोचिंग संस्थान की यह दुर्घटना प्रशासनिक हत्या है। संबंधित अधिकारियों और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और ऐसी घटनाओं की पुनरावृति न हो, ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए। तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ब्रायन ने कहा कि ऐसीी घटनाओं के संबंध में गंभीरता से सोचा जाना चाहिए। देश में कोचिंग संस्थानों के कारण बच्चे आत्महत्या कर रहे हैं। सरकार को इन्हीं नियंत्रित करने की दिशा में बढ़ना चाहिए। आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने कहा कि यह घटना पुराने गुनाहों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अधिकारी मंत्रियों के निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों की मृत्यु की घटना की पूरी जांच की जानी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। द्रविड मुनेत्र कषगम के तिरुचि शिवा ने कहा कि कोचिंग संस्थानों के कारण देश भर में छात्र आत्महत्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीट प्रणाली की समीक्षा करने की मांग की। उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थानों में प्रवेश स्थानीय स्तर पर होने चाहिए।

पुल ढहने की घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट का बिहार सरकार से जवाब–तलब

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने बिहार में हाल में कई पुलों के ढहने की घटनाओं के मद्देनजर राज्य में सभी मौजूदा और निर्माणाधीन पुलों का उच्चतम स्तर का संरचनात्मक ऑडिट कराने की मांग वाली याचिका पर सोमवार को बिहार सरकार और अन्य को नोटिस जारी किया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने ब्रजेश सिंह द्वारा दायर याचिका पर राज्य की नीतीश कुमार सरकार और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को अपना–अपना जवाब दाखिल करने का आदेश पारित किया। श्री सिंह ने अपनी याचिका में बिहार सरकार को पुलों की निगरानी के लिए उचित और प्रभावी नीति या तंत्र बनाने का निर्देश देने की मांग की है। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि सरकार की कथित घोर लापरवाही और ठेकेदारों तथा संबंधित एजेंसियों के भ्रष्ट गठजोड़ के कारण दिन–प्रतिदिन जान–माल के नुकसान की दुर्भाग्यपूर्ण बड़ी घटनाएं हो रही हैं।

जम्मू–कश्मीर के सोपोर में विस्फोट में चार की मौत, एक अन्य घायल

बारामूला, एजेंसी। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के सोपोर कस्बे में सोमवार को हुए, कथित विस्फोट में कम से कम चार लोगों मौत हो गई है. आकलन करने के लिए पुलिस मौके पर पहुंच गई है और आगे की जांच की जा रही है. फिलहाल इस मामले को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं

जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल है. शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार जानकारी सामने आई है कि सोपोर के शेर कॉलोनी में एक रहस्यमयी विस्फोट उस समय हुआ, जब एक स्क्रैप डीलर ट्रक से सामान उतार रहा था. सूत्रों के अनुसार विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि एक अन्य घायल हो गया. घायल को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. फिलहाल पुलिस पीड़ितों की पहचान कर रही है. स्थिति का आई है. सोपोर एसपी दिव्या देव ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि मृतकों की पहचान नसीर अहमद नादरू, आजिम अशरफ मीर, आदिल राशिद बट और मोहम्मद कादिर फूफू के तौर पर हुई है. यह हादसा जिस घर में हुआ उसके मालिक अब्दुल राशिद बट हैं ये स्क्रैप का बिजनेस करते हैं और सोमवार को इनके घर पर ट्रक से स्क्रैप उतारा जा रहा था. इसी दौरान यह हादसा हुआ. पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वैचारकी संस्था की ओर से झूसी में संपन्न हुई एक काव्यधविचार गोष्ठी बही कविताई की रसधार

झूसी। आज 28 जुलाई 2024 को झूसी में प्रोफेसर रवि मिश्र के आवास पर वैचारकी संस्था के द्वारा रचनाकारों एवं विचारों का मंच नामक मंच पर एक विचारध काव्य गोष्ठी ध्परिचर्चा संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता दयाशंकर पाण्डेय

ने की। मुख्य अतिथि डॉक्टर विभा तिवारी तथा विशिष्ट अतिथि प्रेमा राय, राम लखन शुक्ल, श्रीराम मिश्र तलब जौनपुरी रहे। इस अवसर पर अध्यक्ष अतिथि और विशिष्ट अतिथियों का माला, फूल, कलम और साल बढ़ाकर सम्मान किया। प्रकाशक रंजन पांडेय जी को भी शाल और कलम देकर सम्मानित किया गया। ज्ञातव्य हो कि रंजन जी प्रयागराज के एक प्रमुख प्रकाशक हैं।

सर्वप्रथम माँ सरस्वती को अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित व माल्यार्पण करके कार्यक्रम को दिशा दी तथा श्रीमती सरिता मिश्रा और रचना सक्सेना ने संयुक्त रूप से सरस्वती वंदना करके काव्य पाठ का औपचारिक शुभारंभ किया। कार्यक्रम का संचालन शहर समता संपादक कवि, कहानीकार, उपन्यासकार उमेश श्रीवास्तव ने किया।

इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर रवि मिश्र ने वैचारिकी संस्था की उत्पत्ति और उसके स्वरूप पर प्रकाश डाला। साथ ही संपूर्ण वैचारिकी का इतिहास, साहित्य शहर समता विशेषांक में प्रकाशित कराने का वचन दिया।

इस अवसर पर एक काव्य गोष्ठी आयोजित हुई। इसमें राजेश सिंह राज, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान शंभूनाथ श्रीवास्तव, संजय सक्सेना, रचना सक्सेना, आलोक पांडे, कमल नारायण शुक्ल, सरिता मिश्रा, महक जौनपुरी, कमल नारायण शुक्ल, नजर इलाहाबादी, योगेश ओझा झमाझम, शिवम त्रिपाठी, शैलेंद्र चौधरी, एच एन पांडे अनजान, केशव प्रकाश सक्सेना, एसपी श्रीवास्तव, विवेक सत्यांशु, गंगा प्रसाद त्रिपाठी, अभिषेक केशरवानी रवि, डॉक्टर विजयानंद, पीयूष मिश्रा पियूष, महक जौनपुरी, डॉ कल्पना वर्मा, शैलेंद्र चौधरी, शिवराम गुप्त, बृजलाल द्विवेदी आदि ने काव्य पाठ किया। संचालन उमेश श्रीवास्तव ने किया।

ये सावन का महीना जब भी आए

ये सावन का महीना जब भी आये
कहीं रिमझिम मेघा बरसे कहीं प्रीतम की याद दिलाये
ये सावन का महीना जब भी आये।

कहीं पायल की झनक कहीं चूड़ियों की खनक
[illegible]
ये सावन का महीना जब भी आये।

कहीं हाथों में मेंहदी रचे कहीं माथे पर सिंदूर दिखे
[illegible]
ये सावन का महीना जब भी आये।

[illegible]
[illegible]
ये सावन का महीना जब भी आये।

[illegible]
[illegible]
ये सावन का महीना जब भी आये।

स्वरचित
[illegible]
गोलाघाट असम

आमंत्रण पत्र

शहर समता विचार मंच, प्रयागराज
(शहर समता अखबार द्वारा संचालित)
महिला काव्यगोष्ठी विशेषांक लोकार्पण एवं काव्य गोष्ठी

अध्यक्षता - डॉ. कल्पना वर्मा
मुख्य अतिथि - प्रेमा राय
विशिष्ट अतिथि- डॉ स्नेह सुधा

दिनाँक - 31 जुलाई 2024 दिन - बुधवार
समय- अपराह्न 3 बजे से
स्थान- शहर समता कार्यालय कर्नलगंज थाने के पीछे , प्रयागराज

राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना सक्सेना
प्रबंध सम्पादक अरविंद कुमार पाण्डेय
सचिव उमेश श्रीवास्तव

प्रयागराज के बेथनी कॉन्वेंट के बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

प्रयागराज। प्रयागराज के नैनी स्थित बेथनी कॉन्वेंट स्कूल में सोमवार को संस्था दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि आईएएस गौरव कुमार सीडीओ प्रयागराज रहे। इस मौके पर स्कूल के बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम पेश किया। साथ ही बच्चों ने बेथनी कॉन्वेंट की अब तक की यात्रा को पेश किया। स्कूल के बच्चों ने कई कार्यक्रम पेश कर अपनी प्रतिभा दिखाई। मुख्य अतिथि गौरव कुमार ने कहा कि बच्चों को अभी से अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रेरित होना होगा। उन्होंने कुछ बच्चों से सवाल जवाब भी किए। उनके भविष्य के लिए उनकी रुचि, कैरियर के बारे में सवाल किया।

स्कूल परिसर में किया गया पौधरोपण : मुख्य अतिथि गौरव कुमार और विद्यालय की प्रिंसिपल सिस्टर डॉक्टर शमिता ने विद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया। प्रधानाचार्य सिस्टर डॉक्टर शमिता ने मुख्य अतिथि को धन्यवाद दिया। स्कूल की उप प्रधानाचार्य सिस्टर ग्रेसी ने मुख्य अतिथि का स्वागत पुष्प देकर किया। संचालन पूनम सिंह ने किया। सिस्टर जीना, मारी क्लेयर, शिक्षक टेरेसा सिंह, प्रीति मिश्रा, मोहम्मद साबिर उपस्थित रहे।

चोरी की दवा खरीदने में अरेस्ट हुआ डॉक्टर और एमआर

प्रयागराज में दवा एजेंसी के सेल्समैन करते थे खेल, कई लाख की दवाएं बेच डाली

प्रयागराज। प्रयागराज जानवरों की दवा एजेंसी में काम करने वाले सेल्समैन की करतूत का भंडाफोड़ हुआ है। शातिर सेल्समैन दवा एजेंसी से दवाएं और अन्य सामान चोरी कर डॉक्टरों और एमआर को आधे दाम पर बेच देते थे। शिवकुटी पुलिस ने एजेंसी मालिक की तहरीर पर केस दर्ज दो सेल्समैन को अरेस्ट कर लिया। मामला सीसीटीवी की जांच से खुल गया। जांच करने के बाद पुलिस ने चोरी की दवा आधे दाम पर खरीदने वाले पशु चिकित्सक और एमआर को भी दबोच लिया। डॉक्टर, दवा सेंटर का यह मामला चर्चा में है। कैंट थाना क्षेत्र के म्योराबाद के रहने वाले पीयूष शर्मा जानवरों की दवा के थोक और फुटकर विक्रेता हैं। उनकी तेलियरगंज में त्रिवेणी एजेंसी के नाम से फर्म है। लगातार उनकी एजेंसी से दवाओं का गोलमाल सामने आ रहा था। उन्होंने सीसीटीवी की जांच शुरू कराई।

शिवकुटी थाने में दी तहरीर तो खुला खेल : इसके बाद शिवकुटी थाने में तहरीर देकर बताया कि लाखों की दवा यूं ही गायब हो रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाला गया तो एजेंसी के कर्मचारी (सेल्समैन) आनंद कुमार मौर्या और आदित्य राज की भूमिका संदिग्ध लगी। इस पर दोनों को पकड़कर पूछताछ की गई तो दोनों ने पूरी घटना बताई।

चोरी की दवा आधे दाम पर खरीदता था डॉक्टर : चोरी की दवा आधे दाम पर खरीदने वाले पशु चिकित्सक डॉ. अजय यादव निवासी जमालपुर, मछलीशहर जनपद जौनपुर एमआर सूर्या सिंह निवासी अकारीपुर, सोरांव गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के कब्जे से लगभग डेढ़ लाख रुपये की दवा बरामद की गईं हैं। बताते हैं कि सेल्समैन पहले यूं दवा चोरी कर बाजार में बेच देता था फिर डॉक्टर और दुकानदार ने उसे सेट कर लिया कि जो भी माल चोरी करो उन्हें ही दो।

प्रयागराज में जमीनी विवाद में युवक को अपनों से खतरा

एक करोड़ की जमीन हड़पना चाहते हैं चाचा, मुख्यमंत्री से लगाई सुरक्षा की गुहार

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज के उतरांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत याकूबपुर गांव में एक चाचा ने अपनी मां से बड़े भाई की मौत होने पर उसके हिस्से की लगभग एक करोड़ रुपये की जमीन वसीयत करा ली। बालिग होने पर युवक को जानकारी हुई तो वह आपत्ति लगा दी। जिससे युवक को अब अपने चाचा से ही जमीन के विवाद में जान का खतरा बना हुआ है। पीड़ित मुख्यमंत्री से फरियाद कर जान माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। आपको बता दे कि याकूबपुर गांव निवासी गुलजार साई के दो बेटे थे। बड़े बेटे का नाम शहजादे और छोटे बेटे का नाम रईस है। शहजादे की 2015 में मौत हो गई। उनका इकलौता बेटा इश्तियाक तब नाबालिग था। इधर पिता गुलजार साई और बड़े भाई सहजादे की मौत के बाद छोटा भाई रईस ने अपनी जीवित मां जमीरुल से सम्पूर्ण जमीन अपनी पत्नी जमीला के नाम वसीयत करा लिया।

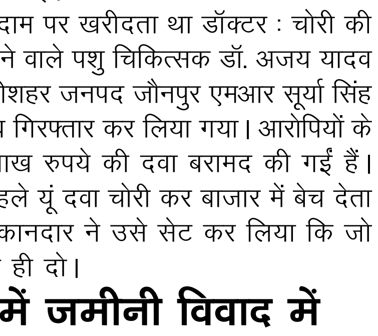

चाचा और बेटे से जान का खतरा

आरोप है कि इस समय पूरी जमीन की कीमत लगभग एक करोड़ रुपये बताई जा रही है। शहजादे का बेटा इश्तियाक अब बालिग हो चुका है। जानकारी होने पर उसने तहसील में जाकर आपत्ति लगा दी। आपत्ति लगाए जाने से इश्तियाक को चाचा और उसके बेटे से जान का खतरा बना हुआ है। पीड़ित इश्तियाक ने बताया कि जमीन के लालच में उसके अपने ही उसकी हत्या कर सकते हैं। पीड़ित विगत दिनों मामले में मुख्यमंत्री से मिलकर जान माल की सुरक्षा की गुहार लगाई थी। वहीं युवक न्याय की आस में दरबदर भटक रहा है।

प्रयागराज में ट्रेन से कटकर बुजुर्ग की मौत

मेजा। प्रयागराज के मेजा में मांडा थाना क्षेत्र के उमापुर इलाके में बीती रात बाजार से खरीददारी कर घर लौट रहे बुजुर्ग की ट्रेन से कटकर दर्दनाक मौत हो गई। इससे परिजनों मे कोहराम मच गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम जे लिए शहर भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार मांडा थाना क्षेत्र के उमापुर गाव के रहने वाले रामशंकर दुबे (82) रविवार शाम गृहस्थी का समान खरीदने टिकरी चौराहे गये थे। रात होने पर वह पैदल घर के लिए निकले थे। इस दौरान उक्त गाव के सामने ही दिल्ली हावड़ा रेलमार्ग को पार कर रहे थे।

अफजाल अंसारी की सजा रद्द

सांसदी बरकरार रहेगी, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजीपुर कोर्ट का फैसला पलटा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजीपुर से सपा सांसद अफजाल अंसारी की सजा रद्द कर दी है। भाजपा विधायक कृष्णानंद राय हत्याकांड में दर्ज गैंगस्टर एक्ट में गाजीपुर एमपी/एमएलए कोर्ट ने अफजाल अंसारी को 4 साल की सजा सुनाई थी। इससे अफजाल की सांसदी चली गई थी। अफजाल ने सुप्रीम कोर्ट में निचली अदालत के फैसले को चौलेंज किया था। सुप्रीम कोर्ट ने सजा पर रोक लगाते हुए अंसारी को पहले हाईकोर्ट जाने की सलाह दी थी। अब हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को पलट दिया है। बीते गुरुवार को हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था। अफजाल ने कोर्ट से सजा को रद्द करने की मांग की थी, जबकि कृष्णानंद के बेटे पीयूष राय और सरकार ने सजा बढ़ाने की अपील की थी। हाईकोर्ट के जस्टिस संजय कुमार सिंह की सिंगल बेंच ने यह फैसला सुनाया है।

विधायक की हत्या के दो साल बाद लगा था गैंगस्टर एक्ट

2005 में तत्कालीन भाजपा विधायक कृष्णानंद राय की हत्या हुई थी। हत्या के दो साल बाद 2007 में अफजाल और उनके भाई मुख्तार अंसारी पर गैंगस्टर केस लगा था। केस में राय की हत्या के बाद हुई आगजनी और कारोबारी नंद किशोर रुंगटा की अपहरण–हत्या को आधार बनाया गया था। कृष्णानंद राय की हत्या मामले में कोर्ट अंसारी भाइयों को बरी कर चुका है, लेकिन गैंगस्टर एक्ट का यह मामला इसी से जुड़ा हुआ था। गाजीपुर की एमपी–एमएलए कोर्ट ने 29 अप्रैल, 2023 को अफजाल को गैंगस्टर एक्ट के मामले में दोषी करार दिया। 4 साल की जेल और एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था। इस मामले में उनके छोटे भाई मुख्तार अंसारी को भी 10 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। इस सजा के कारण वह लोकसभा से अयोग्य हो गए। उन्हें जेल भेज दिया गया।

हाईकोर्ट से मिली थी जमानत

अफजाल ने हाईकोर्ट में आपराधिक अपील दायर की थी। इसमें कहा था कि जब हत्या के केस में मुझे बरी किया जा चुका है तो फिर गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे का कोई आधार नहीं बनता है। 24 जुलाई, 2023 को हाईकोर्ट ने अफजाल को जमानत दे दी, लेकिन मामले में उनकी सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। अफजाल को जेल से रिहा कर दिया गया, लेकिन उनकी संसद सदस्यता बहाल नहीं हुई। वह भविष्य में चुनाव लड़ने के लिए भी अयोग्य हो गए, क्योंकि उन्हें दी गई सजा दो साल से अधिक थी।

सुप्रीम कोर्ट से बहाल हुई थी सदस्यता

अफजाल सजा पर रोक लगाए जाने के लिए सुप्रीम कोर्ट चले गए। 14 दिसंबर, 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने उनकी सजा पर रोक लगा दी, जिसकी वजह से उनकी सदस्यता बहाल हो गई और वह लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए भी योग्य हो गए। हालांकि, शर्त रखी गई थी कि जब तक फैसला नहीं हो जाता, वो संसद में वोट नहीं कर सकते न ही भत्ता ले सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को सुनवाई में तेजी लाने और 30 जून तक मामले का फैसला करने का निर्देश दिया था। इसी साल 4 मई से हाईकोर्ट ने नियमित सुनवाई शुरू की थी। चौथे महीने हाईकोर्ट से फैसला आया है। अफजाल ने 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा के टिकट पर उतरे और गाजीपुर सीट से जीत दर्ज की।

प्रयागराज में 10 हजार कैंडिडेट्स ने आयोग कार्यालय घेरा

97000 शिक्षक भर्ती का नोटिफिकेशन जारी करने की मांग, उपसचिव बोले– 15 दिन में फैसला लेंगे

प्रयागराज। डीएलएड के करीब 10 हजार कैंडिडेट्स ने सोमवार को प्रयागराज में शिक्षा सेवा चयन आयोग का घेराव किया। हाथों में तख्तियां लिए पहुंचे कैंडिडेट्स ने 97000 शिक्षक भर्ती का नोटिफिकेशन जारी करने की मांग की। सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। तख्तियों में लिखा– 97 हजार शिक्षक भर्ती जारी करो... वादा दिया वोट लिया, धोखा दिया... बेरोजगार बनाकर हमें छोड़ दिया। छात्रों के गुस्से को देखते हुए चयन आयोग के उप सचिव शिवजी मालवीय और नवल किशोर कैंडिडेट्स के बीच आए। उन्होंने आश्वासन दिया कि 15 दिन के अंदर भर्ती कैलेंडर जारी किए जाने का प्रयास होगा।

97000 पदों पर शिक्षक भर्ती के मुद्दे को समझिए : संत कबीर नगर से आए प्रमोद कुमार मौर्या ने बताया– सरकार ने 69000 शिक्षक भर्ती में रामशरण मौर्य बनाम राज्य सरकार में हलफनामा लगाया था कि ये भर्ती पूरी करने के बाद भी 51,112 पद अभी भी खाली हैं। ये पद आगे भरेंगे। इसके बाद डेटा है कि हर साल 12 से 15 हजार शिक्षक रिटायर हो रहे हैं। 5–6 साल से प्राथमिक शिक्षक भर्ती नहीं आई। इसी को जोड़कर हम लोग कम से कम 97000 प्राथमिक शिक्षक भर्ती की मांग कर रहे हैं।

10 लाख डीएलएड कैंडिडेट्स नौकरी के इंतजार में

कैंडिडेट्स का कहना है कि पिछले 6 सालों में प्रदेश सरकार की ओर से शिक्षक भर्ती का नोटिफिकेशन नहीं जारी किया गया। करीब 10 लाख डीएलएड कैंडिडेट्स नौकरी के इंतजार में बैठे हैं। सरकार जल्द से जल्द 97000 शिक्षक भर्ती का नोटिफिकेशन निकाले।

बड़े आंदोलन की दी चेतावनी

अभ्यर्थी अभिषेक शुक्ला ने कहा– सरकार के 2023 के आंकड़ों के मुताबिक, सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या बढ़ गई है। केंद्र सरकार की रिपोर्ट के मुताबिक, यूपी में 1.40 लाख शिक्षक पद खाली हैं। इसके बावजूद प्रदेश सरकार की ओर से भर्ती नहीं निकाली जा रही है। प्रदर्शन करने वालों ने कहा– यदि सरकार भर्ती नोटिफिकेशन जारी नहीं करती है तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। विशाल यादव ने कहा– आज हम 10 हजार लोग जुटे हैं। जल्द 10 लाख लोग जुटेंगे।

अनुपात–समानुपात में फंसा कैंडिडेट्स का भविष्य

शिक्षा मंत्री संदीप सिंह से साल 2022 में यूपी विधानसभा की कार्यवाही में शिक्षक भर्ती से जुड़े सवाल पूछे गए। उन्होंने हर बार शिक्षक–छात्र का अनुपात बराबर होने की बात कही। 19 से 23 दिसंबर 2022 के बीच चले मानसून सत्र में भी जब विपक्ष ने उनसे सवाल पूछा था, तब उन्होंने आंकड़े गिनाते हुए कहा था– हमारे पास इस वक्त 6 लाख 28 हजार 915 शिक्षक हैं। अजीब यह कि 6 फरवरी को भी जब उनसे पूछा गया तब उन्होंने यही जवाब दिया कि हमारे पास 6 लाख 28 हजार 915 टीचर हैं। अब सवाल है कि क्या पिछले एक साल में कोई रिटायर ही नहीं हुआ? किसी की मौत नहीं हुई? सरकार के इस अनुपात–समानुपात के बीच शिक्षक भर्ती कैंडिडेट्स का भविष्य फंस गया है।

हर साल 2.42 लाख युवा डीएलएड कर रहे : यूपी में हर साल 2 लाख 42 हजार छात्र–छात्राएं ग्रेजुएशन करने के बाद डीएलएड में एडमिशन ले रहे हैं। इसमें 10 हजार छात्र सरकारी कॉलेज से ट्रेनिंग लेते हैं। बाकी के 2.32 लाख छात्र प्राइवेट कॉलेजों से ट्रेनिंग कोर्स कर रहे हैं। यहां की सालाना फीस 50 से 60 हजार है। ट्रेनिंग पूरी करने के बाद इनके पास सरकारी नौकरी के रूप में सिर्फ बेसिक शिक्षा विभाग में ही मौका होता है। डीएलएड पूरा करने के बाद ये युवा टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी ज्ल्ज पास करते हैं। यूपी में ज्ल्ज पास अभ्यर्थियों की संख्या करीब 20 लाख पहुंच गई है। इसमें 5 लाख से ज्यादा बीएड अभ्यर्थी हैं, जो अब बेसिक शिक्षा में टीचर बनने के लिए एलिजिबल नहीं हैं।

पासपोर्ट का नवीनीकरण नागरिकों का मौलिक अधिकार, आपराधिक मुकदमा लंबित रहते नवीनीकरण संभव

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि पासपोर्ट का नवीनीकरण नागरिकों का मौलिक अधिकार है। आपराधिक मुकदमा लंबित होने के आधार पर पासपोर्ट के नवीनीकरण से इन्कार नहीं किया जा सकता। यह आदेश न्यायमूर्ति नंदप्रभा शुक्ला की एकल पीठ ने आगरा निवासी नौसेना अधिकारी विश्वेंद्र सिंह की ओर से दाखिल याचिका स्वीकार करते हुए दिया है। याची ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आगरा (सीजेएम)के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें मजिस्ट्रेट ने आपराधिक मुकदमा लंबित के दौरान पासपोर्ट के नवीनीकरण के लिए से मांगी गई अनुमति देने से इन्कार कर दिया था। मामला आगरा के न्यू आगरा थाना क्षेत्र का है। याची नौसेना में अधिकारी के पद पर कार्यरत है। 21 दिसंबर 2023 को मुंबई के ठाणे रेलवे स्टेशन से उसका सामान चोरी हो गया, जिसमें कई दस्तावेजों संग पासपोर्ट भी था। याची ने 16 जनवरी को फिर से पासपोर्ट जारी करने के लिए आवेदन किया था। 30 जनवरी 2024 को याची को पासपोर्ट कार्यालय से सूचना दी गई कि न्यू आगरा थाने की ओर से दोबारा पासपोर्ट जारी करने की संस्तुति नहीं की गई है। थाने की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक याची के खिलाफ थाने में छेड़खानी का मामला वर्ष अप्रैल 2021 में दर्ज हुआ था। विवेचना के बाद आरोप पत्र भी सीजेएम की अदालत में दाखिल किया जा चुका है। लिहाजा, याची ने आपराधिक मुकदमा लंबित रहते हुए सीजेएम की अदालत में पासपोर्ट जारी की अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने की अर्जी दी थी। इसे सीजेएम ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि पासपोर्ट के नवीनीकरण के लिए अनापत्ति जारी करने का क्षेत्राधिकार नहीं है।

विदेश यात्रा के लिए लेनी होगी अनुमति : याची ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए दलील दी कि वह नौसेना में अधिकारी है। बिना पासपोर्ट के वह अपनी नौकरी नहीं कर सकता। सीजेएम की अदालत में लंबित आपराधिक मुकदमा लंबे समय तक चलेगा। ऐसे में नवीनीकृत पासपोर्ट जारी करने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया जाना अति–आवश्यक है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि विदेश मंत्रालय की 1993 की अधिसूचना के मुताबिक आपराधिक कार्यवाही लंबित रहने के दौरान नागरिकों को पासपोर्ट जारी किया जा सकता है, बशर्ते वह विदेश यात्रा के लिए न्यायालय की अनुमति प्राप्त करें। मौजूदा मामले में याची पर लगाए गए आरोप जघन्य या गंभीर प्रकृति के नहीं हैं और वह जमानत पर है। मिली जमानत की शर्तों में ऐसी कोई बात नहीं है कि वह विदेश यात्रा नहीं कर सकता।

सावन के दूसरे सोमवार पर शिवालयों में भीड़

प्रयागराज के मनकामेश्वर मंदिर में लंबी कतार, हर–हर महादेव से गूंज रहा शिवालय

प्रयागराज। आज सावन मास का दूसरा सोमवार है। भगवान शिव का दर्शन पूजन और जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु शिवालयों में पहुंच गए। यमुना के तट पर स्थित मनकामेश्वर मंदिर, शिवकुटी में स्थित कोटेश्वर महादेव मंदिर व शिव कचहरी समेत अन्य सभी शिवालयों में श्रद्धालु शिवजी का दर्शन–पूजन कर रहे हैं। वहीं मंदिरों में रूद्राभिषेक के लिए भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंच रही है। इसके लिए लोग पहले से ही शिवालयों में बुकिंग करा चुके थे।

जलाभिषेक के लिए चल रहा कावंड़ियों का जत्था : इस समय सावन के महीने में बड़ी संख्या में कावंड़िए कांवड़ लेकर शिवालयों में पहुंच रहे हैं। संगम का जल लेकर वाराणसी के बाबा विश्वनाथ मंदिर, नागवासुकि मंदिर, पड़िला महादेव समेत अन्य शिवालयों में पहुंच रहे हैं। कोई गंगाजल तो कोई दूध या गन्ने के रस से जलाभिषेक कर रहा है। सभी शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस फोर्स तैनात की गई है। मनकामेश्वर मंदिर में तो पैरामिलट्री के जवानों को भी लगाया गया है।

प्रयागराज में कपड़े की दुकान में लगी भीषण आग

20 लाख का समान जलकर राख, शार्ट सर्किट बताई जा रही हादसे की वजह

मेजा। प्रयागराज के मेजा में कोरांव थाना क्षेत्र के देवघाट तिराहा स्थित अमन कलेक्शन की दुकान में इलेक्ट्रिक शार्ट सर्किट होने से आज भीषण आग लग गई। इससे लोगों में हड़कंप मच गया। दुकान में रखा लाखों का सामान जलकर खाक हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। लेकिन फायर ब्रिगेड की गाड़ी के मौके पर पहुंचने से पहले ही सारा सामान जलकर खाक हो गया था। बता दें कि साल 2009 से देवघाट निवासी निसार अहमद उर्फ राजू देवघाट तिराहे पर कपड़े और जूते चप्पल की दुकान चलाते हैं। आज अचानक शार्ट सर्किट होने से धुंआ बाहर आने पर पड़ोसियों ने दुकानदार को सूचना दी और फायर ब्रिगेड को फोन किया। किसी वजह से आज दुकान बंद थी। सूचना मिलने पर जब तक दुकानदार पहुंच पाता, आग विकराल रूप ले चुकी थी। दुकान में रखे कपड़े, जूते और अन्य समान जलकर खाक हो गए। पीड़ित निसार ने दुकान में हुए नुकसान का अनुमान करीब 20 से 22 लाख रुपए बताया है। आर्थिक नुकसान होने से दुकानदार सदमे में है। मौके पर थाना पुलिस कोरांव देवघाट हल्का के सब इंस्पेक्टर और सिपाही ने भी तिराहे पर मौजूद लोगों के साथ आग बुझाने का प्रयास किया। निसार अहमद ने परिवार चलाने के लिए प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की। वहीं मामले मे फायर ब्रिग्रेड कोराव प्रभारी सिया शरण ने बताया कि आगजनी से काफी नुकसान हुआ है। पीड़ित को उचित मुआवजा उपलब्ध कराया जायेगा।

6 माह से लापता पापा को खोज रही बेटी

प्रयागराज पुलिस ढूंढ नहीं पा रही, बेटी ने रखा 50 हजार रुपए का इनाम

प्रयागराज। प्रयागराज की श्रीया तिवारी 6 माह से अपने पापा को खोज रही है लेकिन वह कहां हैं कुछ पता नहीं चल पाया। सीसीटीवी कैमरे का भी सहारा लिया गया लेकिन उनकी खोज करने में असफल रही। दरअसल, भारतीय जीवन बीमा निगम के विकास अधिकारी विमल तिवारी पिछले 6 माह से लापता हैं। पत्नी और बेटी लगातार खोजबीन कर रही हैं लेकिन पता नहीं चल सका है। बेटी ने 50 हजार रुपये ईनाम भी रख दिया है, यानी उसके पापा की तलाश करने वाले को 50 हजार रुपये ईनाम के रूप में दिया जाएगा।

19 जनवरी को घर से निकले, लौटकर नहीं आए : लोक सेवा आयोग चौराहा स्थित एक अपार्टमेंट में रहने वाले LIC अधिकारी विमल तिवारी 19 जनवरी से लापता हैं।

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उत्तर मध्य रेलवे स्वामित्व वाली विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित समय, संरचना, ठहराव, दिन एवं मार्ग पर चलेंगी, जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	संचालन के दिन	विस्तारित तिथि
01919	आगरा कैंट-अहमदाबाद	मंगल, गुरु., शनि.	01.08.24 से 31.08.24
01920	अहमदाबाद-आगरा कैंट	बुध., शुक्र., रवि.	02.08.24 से 01.09.24
01905	कानपुर सेंट्रल-अहमदाबाद	सोमवार	05.08.24 से 26.08.24
01906	अहमदाबाद-कानपुर सेंट्रल	मंगलवार	06.08.24 से 27.08.24
04165	आगरा कैंट-अहमदाबाद	बुधवार	07.08.24 से 28.08.24
04166	अहमदाबाद-आगरा कैंट	गुरुवार	08.08.24 से 29.08.24
04167	आगरा कैंट-अहमदाबाद	रविवार	04.08.24 से 25.08.24
04168	अहमदाबाद-आगरा कैंट	सोमवार	05.08.24 से 26.08.24
04115	सूबेदारगंज - लोकमान्य तिलक (ट.)	गुरुवार	01.08.24 से 29.08.24
04116	लोकमान्य तिलक (ट.) - सूबेदारगंज	शुक्रवार	02.08.24 से 30.08.24
04121	सूबेदारगंज-सिकंदराबाद	गुरुवार	01.08.24 से 29.08.24
04122	सिकंदराबाद-सूबेदारगंज	शनिवार	03.08.24 से 31.08.24
02199	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी -बांद्रा (ट.)	गुरुवार	01.08.24 से 29.08.24
02200	बांद्रा (ट.)- वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	शनिवार	03.08.24 से 31.08.24
01922	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-पुणे	बुधवार	07.08.24 से 28.08.24
01921	पुणे-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	गुरुवार	08.08.24 से 29.08.24
04125	सूबेदारगंज-बांद्रा (ट.)	सोमवार	05.08.24 से 26.08.24
04126	बांद्रा (ट.)-सूबेदारगंज	मंगलवार	06.08.24 से 27.08.24
04137	ग्वालियर-बरौनी	रवि., बुध.	04.08.24 से 28.08.24
04138	बरौनी-ग्वालियर	सोम., गुरु.	05.08.24 से 29.08.24

नोट- ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे 1335/24(ADM)

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in

प्रबंधक की माता के निधन पर हुई शोकसभा

करछना। क्षेत्र के रामपुर स्थित श्री बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज के प्रबंधक डॉ.भगवत पांडेय की 103वर्षीय माता कालिन्दी देवी के निधन पर विद्यालय परिवार में गहरा शोक व्याप्त है। रविवार दोपहर स्थानीय चांडीघ गंगा घाट पर उनका दाह संस्कार संपन्न हुआ। सोमवार को विद्यालय में प्रार्थना स्थल पर आयोजित

शोकसभा के दौरान सभी शिक्षकों और कर्मचारियों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस दौरान प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने कहा कि उनकी सौम्यता,सहजता,

सादगी, मृदुभाषी स्वभाव के चलते हमेशा सभी लोगों में प्रिय बनीं रहीं और दीर्घायु को प्राप्त हुईं।शिक्षक के.के. त्रिपाठी समेत सभी शिक्षकों ने उनके समाजसेवा भाव की प्रसंशा करते हुए संयमित दिनचर्या और कृतित्व,

व्यक्तित्व की सराहना की।

सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखते हुए दिवंगत आत्मा की शान्ति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। इस मौके पर प्रवक्ता जितेंद्र कुमार,प्रदीप श्रीवास्तव,जगतपाल,मो.परवेज सिद्दीकी, रमेश चंद्र तिवारी,विजय सिंह,सुधा सिंह,सुरेश कुमार,हरिशंकर तिवारी,मनीष शुक्ला,विश्वेश ओझा,कमला शंकर त्रिपाठी,कंचन पांडेय, उमाशंकर पांडेय, राजकुमार विश्वकर्मा,सुनील प्रजापति,विमला देवी,अशोक सिंह,जितेंद्र कुमार समेत बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

सीमा पर तैनात सैनिकों को एलायंस क्लब की तरफ से राष्ट्रपति को भेजा गया 21 सौ राखियों का पैकेट

प्रतापगढ़। एलायंस क्लब की अगुवाई में बेल्हा के बहनों के हॉथ की बनी 21 सौ राखियों का पैकेट सीमा पर तैनात बीरों के लिए राष्ट्रपति के नाम भेजा गया। राखियों से भरे बण्डल को समाजसेवी रोशनलाल की अगुवाई में सोमवार को प्रवर डाक अधीक्षक जीतेन्द्र पांडे को सौंपा। एलायंस क्लब द्वारा विछले 25 वर्षों से जिले की बनी राखियां सेना के जवानों को भेजी जाती रही हैं। पैकेटों के साथ रोली, चंदन व अन्य शुभ सामग्री भी भेजी गई है। इस मौके पर डा0 दयाराम मौर्य, अर्चना खंडेलवाल, सुधा अग्रवाल, शकुंतला खंडेलवाल, इंद्रा अग्रवाल, रेखा उमरवैश्य, पंकज शर्मा, राजीव कुमार आर्य आदर्श कुमार, विवेक कुमार आदि मौजूद रहे।

तदर्थ शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, प्रदेश सरकार की एसएलपी हुई खारिज, दिवाली मनाने का एलान

हाईकोर्ट की सिंगल व डबल बेंच से हारने के बाद कंटेम्प्ट प्रोसीड़िंग से बचने के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी सरकार

नौकरी से निकाले जाने पर कई शिक्षकों की सदमें में हो चुकी है मौत, इसी धारा में नियुक्त बड़ी संख्या में शिक्षक हो चुके हैं रेगुलर

प्रतापगढ़। 30 दिसम्बर 2000 से पूर्व प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में नियुक्त तदर्थ शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सोमवार को प्रदेश सरकार को सुप्रीम से तगड़ा झटका लगा है। इसके पहले हाईकोर्ट में प्रदेश सरकार को तदर्थ शिक्षकों के मुद्दे पर हार का समना करना पड़ा था। कंटेम्प्ट प्रोसीड़िग से बचने व हाई कोर्ट के आदेश को निरस्त करने के लिए प्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में तदर्थ शिक्षकों के मुद्दे व हाईकोर्ट इलाहाबाद के आदेश को चुनौती देने के लिए प्रदेश सरकार की तरफ से एडिशनल सालीसीटर एडी रामचेत व तदर्थ शिक्षकों के अधिवक्ता विकास सिंह के बीच काफी तर्क वितर्क हुआ। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों के वकीलों के तर्कों को सुनते हुए प्रदेश सरकार के एसएलपी को खारिज कर दिया। यानी प्रदेश सरकार को होईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक हार का समाना करना पड़ा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश की जानकारी जैसे शिक्षकों को हुई प्रदेश भर के विनियमित होने से बचे तदर्थ शिक्षकों में खुशी की लहर फैल गई। मुकदमों की पैरवी कर रहे तदर्थ शिक्षकों के अगुवा राकेश त्रिपाठी, आलोक कुमार शुक्ल समेत अन्य शिक्षकों ने जीत की खुशी में सोमवार को भगवान भोलेनाथ के नाम पर पॉच दीप जलाने की अपील की है।

एक प्रदेश में दो विधान, आधे से अधिक को किया विनियमित शेष को निकाल कर किया बाहर–

तदर्थ शिक्षकों ने आरोप लगाया कि एक प्रदेश में दो विधान चल रहा है। कुछ को विभागीय अधिकारियों ने विनियमित कर दिया तो कुछ को नौकरी से बाहर कर दिया। अधिकारियों के मनमाने रवैये से भाजपा सरकार की काफी किरकिरी हो रही है। वर्ष 2016 में सपा की अखिलेश सरकार ने माध्यमिक विद्यालयों में लम्बे समय से पढ़ा रहे 30 दिसम्बर 2000 तक नियुक्त रेगुलर होने से बचे तदर्थ शिक्षकों को विनियमित करने के लिए अध्यादेश लाई। शर्त रखा गया कि कोर्ट के अंतिम व अंतरिम आदेश से वेतन पा रहे तदर्थ शिक्षकों को रेगुलर नहीं किया जाएगा। इसके बावजूद विभागीय अधिकारियों ने अध्यादेश का मनमाने तरीके से व्याख्या करते हुए प्रदेश के अधिकतर मण्डलों में ऐसे शिक्षकों को रेगुलर कर दिया। जबकि माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड की इसी धारा में नियुक्त बड़ी संख्या में शिक्षकों को नौकरी से बाहर का रास्ता दिखा दिया। शिक्षा विभाग के मनमानेपूर्ण रवैये से सरकार की किरकिरी हो रही है।

क्या था मामला–

प्रबंध तंत्र द्वारा नियुक्त प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में वर्ष 1993 से पढ़ा रहे शिक्षकों को प्रदेश सरकार ने 9 नवम्बर 2023 को नौकरी से निकाल दिया था। ये सभी शिक्षक हाईकोर्ट के आदेश से वेतन पा रहे थे। एसीएस माध्यमिक शिक्षा के आदेश पर नौकरी से बाहर किये गए तदर्थ शिक्षकों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने सरकार के आदेश पर रोक लगाते हुए वेतन देने व नौकरी में बनाए रखने का आदेश दिया था। जिसमें दोनों पक्षों में हुई लम्बी लड़ाई सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची। अधिकारियों द्वारा सरकार को गलत फीडिंग से राजस्व कोष का काफी नुकसान हुआ है।

नौकरी से निकाले जाने पर सदमे में कई शिक्षकों की हो चुकी है मौत–

लगभग तीस वर्षों से माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ा रहे तदर्थ शिक्षकों को सरकार द्वारा नौकरी से बाहर निकाले जाने पर सदमे में दर्जनों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में सैकड़ों तदर्थ शिक्षक रिटायर हो चुके हैं। जो बचे भी हैं वह भी रिटायर होने के उम्र की दहलीज पर खेड़े हैं। सरकार के इस कदम से शिक्षकों के परिवारों में मातम का माहौल रहा। तदर्थ शिक्षक के परिजन योगी सरकार को कोस रहे थे। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से अब उनके चेहरों पर रौनक देखी जा रही है।

जलाएंगे दीए–

सुप्रमी कोर्ट से राहत मिलने पर सोमवार के दिन शाम को तदर्थ शिक्षक भगवान भोलेनाथ के नाम दीप जलाकर खुशियां मनाएंगे। तदर्थ शिक्षकों के अगुवा राकेश त्रिपाठी, आलोक शुक्ल, संतोष पांडे व रमा शंकर त्रिपाठी आदि ने बताया कि आज का दिन हम लोगों के लिए बड़ी खुशी का दिन है। हम जितने भी तदर्थ शिक्षक हैं परिजनो संग दीप जलाएंगे।

राष्ट्रीय कवि संगम के प्रयागराज इकाई की काव्य गोष्ठी संपन्न

प्रयागराज स रविवार को चंद्रशेखर आजाद पार्क ,सिविल लाइंस में राष्ट्रीय कवि संगम की प्रयागराज इकाई की मासिक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता के पी गिरी एवं मुख्य अतिथि के रूप में ओज कवि एवं राष्ट्रीय कवि संगम से काशी प्रांत के अध्यक्ष अटल नारायण की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन यमुनापार इकाई के जिलाअध्यक्ष निखिलेश मालवीय ने किया।

इस अवसर पर अटल नारायण ने हंसराज हंस को यमुनपार इकाई का संरक्षक, कवि अरुण कुमार पाण्डेय को यमुनापार इकाई का जिलामंत्री एवं सौरभ श्री को प्रयागराज इकाई का जिलामंत्री तथा घोषित कर उन्हें अंग वस्त्र से सम्मानित किया।

कविताओं का प्रारंभ कवयित्री श्रीमती अनामिका तिवारी ने सरस्वती वंदना से किया। तत्पश्चात कवि अरुण कुमार पाण्डेय ष्किशोरष् ने अपनी कविताओं ष्मन की बातष् एवं वीर रस को कविता ष्कारगिल गाथाष् को गाकर वातावरण देशभक्ति से ओत प्रोत कर दिया।

इसके पश्चात कवि सौरभ की कविता ष्भारतवर्षष् , कवि श्री हंसराज हंस के हिंदी पर दोहे के सराहनीय गायन प्रस्तुत किए। कवयित्री श्रीमती अनामिका तिवारी की रानी लक्ष्मी बाई पर कविता एवं कवि श्री के पी गिरि की सामाजिक कविता के पश्चात अन्त में मुख्य अतिथि अटल नारायण ने राष्ट्रीय कवि संगम के उद्देश्य एवं कार्य पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात भक्ति एवं देशभक्ति पर अनेकों छंद गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे कवि निखिलेश मालवीय ने बीच बीच में अपनी विभिन्न वीर रस की कविताओं से सभी का मन मोह लिया।

प्रेषक :
राष्ट्रीय कवि संगम
यमुनपार इकाई

हिंदी को राष्ट्रभाषा बनवाकर ही दम लेंगे – डॉ0विजयानन्द

प्रयागराज।वैश्विक हिंदी महासभा एवं अखिल भारतीय हिंदी परिषद, भारत के संयुक्त तत्वावधान में वैकुंठधाम आश्रम, अलोपीबाग में वार्षिक अधिवेशन का आयोजन किया गया, जिसमें आगत अतिथियों ने हिंदी भाषा एवं साहित्य के विकास पर विस्तार से चर्चा की।कार्यक्रम की अध्यक्षता वैश्विक हिंदी

महासभा के अंर्तराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ०विजयानन्द ने किया। जगद्गुरू रामानुजाचार्य स्वामी श्रीधराचार्य महाराज तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रो० गिरीशचंद्र त्रिपाठी मुख्य अतिथि ,संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो० हरिप्रसाद अधिकारी विशेष अतिथि के रुप में मौजूद रहे।

डॉ०शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल जी के संचालन तथा जगदम्बा प्रसाद शुक्ल जी के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के बाद विद्वानों ने अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो० त्रिपाठी ने कहा कि हिंदी को प्रतिष्ठित करने के लिए हमें संस्कृत भाषा को सुदृढ़ बनाने की दिशा में कार्य करना होगा,उन्होंने कहा कि प्रमुख धार्मिक ग्रंथों का हिंदी में अनुवाद करने की आवश्यकता है। स्वामी श्रीधराचार्य जी ने अपने वक्तव्य में हिंदी को जनमानस की भाषा बनाने के लिए कार्य करने पर जोर दिया। अध्यक्ष डॉ० विजयानन्द ने कहा कि जब हिंदी राष्ट्रभाषा होगी तो संस्कृत सहित सारी भारतीय भाषाओं का आपसी समन्वय हो जाएगा और अनुवाद के माध्यम से सभी मजबूत होंगी।विदेशी अंग्रेजी के रहते ऐसा कभी नहीं हो सकता। हमें अंग्रेजी की गुलामी से मुक्ति की जरूरत है। हम हिंदी को राष्ट्रभाषा बनवाकर ही दम लेंगे।कार्यक्रम में प्रो०अधिकारी का कहना था कि हिंदी को हर स्थिति में भारत की राष्ट्रभाषा हो जाना चाहिए तभी अनिवार्य रूप से संस्कृत मजबूत होगी। कोषाध्यक्ष अभिषेक केसरवानी ने वार्षिक आय–व्यय प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महासभा द्वारा शीघ्र प्रकाश्य अंतरराष्ट्रीय काव्य संग्रह ष्वैश्विक हिंदीष् के आवरण पृष्ठ का लोकार्पण भी हुआ।

कार्यक्रम में सर्वश्री शंभुनाथ श्रीवास्तव,डॉ०वीरेंद्र कुमार तिवारी, कमला प्रसाद गिरि, इंदुप्रकाश मिश्र, गजेंद्र प्रताप सिंह, अभय नारायण तिवारी, राजेंद्र तिवारी दुकान जी, सच्चिदानंद तिवारी, अटल नारायण, डॉ०अजय मालवीय, दुर्गेश दुबे, राकेश मालवीय, गंगाप्रसाद त्रिपाठी, पुष्कर प्रधान,अतुल मिश्र, निखिलेश मालवीय,अनिरुद्ध वर्मा सहित अन्य लब्धप्रतिष्ठित कवि–साहित्यकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक जगदम्बा प्रसाद शुक्ल ने आगत अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया।

बढ़ते तापमान से भूजल एवं पर्यावरण को खतरा–अजय क्रांतिकारी

जल जीवन मिशन की कार्यशाला में लोगों को जल संरक्षण के लिए किया गया जागरुक

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन नमामि गंगे हर घर योजना अन्तर्गत कार्यशाला का किया गया आयोजन,जलवायु संरक्षण हेतु लोगों को दिलाई गई शपथ

प्रतापगढ़स राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन,नमामि गंगे,हर घर नल योजनांतर्गत सदर ब्लॉक के सभागार में स्वच्छ पेयजल एवं हर घर जल संबंधी जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी ने कहा कि बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण भूजल संकट में है।पीढ़ियों को पीने का पानी नहीं मिलेगा।उन्होंने कहा कि समय रहते जल जंगल और जमीन की सुरक्षा और संवर्धन के लिए नहीं जागे तो धरती से जीवन समाप्त हो जाएगा।उन्होंने सभी से पेड़ों की सुरक्षा और जल की बचत करने हेतु हरित अपील की।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर

रहे सदर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रवि प्रताप सिंह ने कहा कि पानी के बिना जीवन संभव नहीं है।हम सभी को कम से कम पानी का उपयोग कर भूजल को बचाना होगा। सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) का कार्यभार देख रहे एडीपीआरओ हेम चन्द्र यादव ने कहा कि जल की हर बूंद जीवन के लिए अमूल्य है। भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वर्षा जल का संचयन करें। फेल्कॉन के डीपीसी शमशाद अहमद ने लोगों को अधिक से अधिक पेड़ लगाकर जल संरक्षण और पर्यावरण को बचाने हेतु प्रेरित किया। कार्यशाला समापन के उपरांत जागरूकता टीमों को हरी झंडी दिखाकर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रवि प्रताप सिंह, सहायक विकास अधिकारी(पंचायत) एवं पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी ने जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर प्रत्येक ग्राम पंचायतों के लिए रवाना किया।पर्यावरण सेना प्रमुख अजय क्रांतिकारी ने सभी लोगों को जलवायु संरक्षण की शपथ दिलाई।

इस मौके एडीपीसी अरूण मौर्य,इरशाद अहमद, नीरज यादव,राज बहादुर,आशीष सिंह,राम पूजन मिश्र,राम चंद्र,मुख्य प्रशिक्षक संतोष दुबे एवं नुक्कड़ नाटक की टीम उपस्थिति रही।

कलारत्नम फाउंडेशन बरेली की अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी ने छुए सफलता के उच्च सोपान

अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में प्रयागराज के वरिष्ठ चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा गेस्ट अश्वफ अश्वनर

प्रयागराज। कलारत्नम

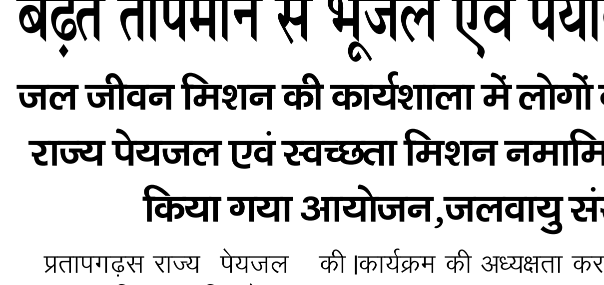

फाउंडेशन ऑफ आर्ट सोसायटी एवं संस्कार भारती बरेली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच देशों की अंतरराष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनी में द्वितीय दिवस भी सैंकड़ों दर्शकों ने यामिनी आर्ट गैलरी बरेली में प्रदर्शनी का रसास्वादन किया । विदित हो कि कल राज्य ललित कला अकादमी के पूर्व उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र मिश्रा ने इस अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का उद्घाटन किया था।

प्रदर्शनी में शामिल वरिष्ठ प्रसिद्ध चित्रकारों में राज्य ललित कला अकादमी के पूर्व कार्यकारिणी सदस्य व गेस्ट ऑफ ऑनर रवीन्द्र कुशवाहा, वरिष्ठ कलाकार जगदीश पांडेय, डॉ.अनुपम कुमारी, उस्ची एटल सुट्ज (जर्मनी), टुडेन म्यूटाईन (मॉरीसश), वियारा पेंचेवा (बुलगारिया), इवाना गुटवाल्डोवा (चेक गणराज्य), कंचन मिस्त्री, शंकर सोनावने, जयदीप घोष, रीता सिंह तोमर, कृतिकृष्णा पंडा, रूपाली गुप्ता, अरुणा जैतपाल, श्रेया गट्टानी, डॉ. ग्रेसी पपुकुट्टी के चित्रों को देख दर्शक मंत्रमुग्ध रह गए, और राखी अनुराग तिवारी, नेहा पाल, प्रकृति शर्मा, दिव्या बंसल, बिंदू पटेल, आयुष्मान बेहरा, रजनी, प्रिणि शर्मा, प्रिया सक्सेना, सुरेंद्र कुमार, दीप शिखा सक्सेना, अनुराग जॉली, सुकेंद्र सिंह, डॉक्टर अनिला रंजन सुधा मिश्रा, हरी मोहन सिंह, एन उषा एलंगोवन, अंजली पाण्डेया, मंजीत धनकर आदि की कलाकृतियों की प्रशंसा की।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सदस्य श्री सिरीश मेहरोत्रा सपत्नीक एवं भारत में जन्मे कनाडा के मूल निवासी वरिष्ठ चित्रकार डॉ.आदर्श गोस्वामी , स्नेहा सक्सेना, अरुन कुमार, गौरव गुप्ता ऐडवोकेट, पिंकी गुप्ता, संस्था के अध्यक्ष एवं संयोजक कुलदीप वर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दुबग्गा मंडी में पसरा रहा सन्नाटा, नहीं बिकी सब्जियां,3 करोड़ का कारोबार प्रभावित

लखनऊ, एजेंसी। दुबग्गा मंडी में सोमवार को कोई काम नहीं हुआ। सब्जियों की बिक्री नहीं हुई। बिजली कनेक्शन काटे जाने के विरोध में आढ़तियों ने आंदोलन किया। काम न होने से बड़ी संख्या में पल्लेदार वापस लौट गए। मंडी परिसर में सन्नाटा पसरा रहा। आढ़तियों से मंडी विभाग के अधिकारियों ने समझौते के लिए बातचीत शुरू कर दिया है। आढ़तियों का प्रदर्शन अगर ज्यादा दिन चलता है तो 15 लाख से ज्यादा की आबादी को संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा करीब 5 करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार प्रभावित होगा। मंडी कारोबारी मिंटू, गुलफाम और लाला यादव समेत कई लोगों का कहना है कि मौजूदा समय यहां प्रतिदिन करीब 3 करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार हो रहा।

संक्षिप्त

शिक्षा, शिक्षक विरोधी प्रदेश सरकार व अधिकारियों के खिलाफ होगी आरपार की लड़ाई–डा0 प्रदीप सिंह

31 जुलाई को डिग्री कालेज के शिक्षक निदेशालय पर करेंगे प्रदर्शन, मांगे न पूरी हुई तो लखनऊ में होगा बड़ा आंदोलन

प्रतापगढ़। मांगे पूरी न होने पर डिग्री कालेज के शिक्षकों के संगठन फुपुक्टा ने प्रदेश सराकर व उच्च शिक्षा के निदेशक के खिलाफ आंदोलन करने का एलान किया है। सोमवार को शहर स्थित एमडीपीजी कालेज में फुपुक्टा के प्रदेश महामंत्री प्रो0 प्रदीप सिंह की अगुवाई में शिक्षकों की बैठक में इस बात का एलान किया गया। प्रो0 प्रदीप सिंह ने कहा कि हमारी 26 सूत्रीय मांगे लम्बे अर्से से लंबित हैं। इस संबंध में कई बार निदेशक समेत अधिकारियों से प्रत्यावेदन किया गया फिर भी हमारी मांगों को दर किनार कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि विज्ञापन संख्या 47 के तहत चार वर्ष पूर्व 1225 शिक्षकों का चयन हुआ था लेकिन लालफीताशाही के कारण उन शिक्षकों का आज तक स्थाईकरण नहीं हो सकता है। सपा सरकार के समय इंक्रीमेंट की घोषणा, नेशनल इंक्रीमेंट, अधिवर्षता आयु 65 वर्ष किये जाने आदि मुद्दे एवं एकल स्थानांतरण जैसी विसंगतियों को लेकर प्रदर्शन की रूपरेखा तय की गई है। उन्होंने जिम्मेदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि हमारी जायज मांगों को नहीं माना जाता है तो फुपुक्टा लखनऊ में बड़ा प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगा। बैठक का संचालन कर रहे इकाई के महामंत्री प्रो0 पीयूष कांत शर्मा ने कहा कि लम्बे समय से हमारी मांगों को नहीं माना जा रहा है इसके लिए संगठित होकर संघर्ष का समय अब आ गया है। शिक्षकों के समस्याओं पर प्रो0 संतोष कुमार पांडे, प्रो0 रमेश चन्द्र शुक्ल, प्रो0 रजवंत सिंह, प्रो0 माया शंकर, प्रो0 ऊषा तिवारी, डा0 राजेन्द्र मिश्र ने भी प्रदेश सरकार व उच्च शिक्षा निदेशक के खिलाफ हुंकार भरी। इस मौके पर प्रो0 ऊषा दूबे, प्रो0 निशा सिंह, डा0 प्रथमेष पांडे, डा0 अरूण कुमार वर्मा, डा0 अरविन्द कुमार मौर्य, डा0 रेखा मिश्रा आदि उपस्थित रहकर प्रदर्शन में भाग लेने का संकल्प लिया।

नहरों में पानी न आने पर कांग्रेसजनों ने सिंचाई विभाग कार्यालय पर किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

प्रतापगढ़। नहरों में पानी न आने से किसानों के खेतों में सूख रही धान की फसल के मुद्दे को लेकर कॉग्रेस जिलाध्यक्ष डा0 नीरज त्रिपाठी की अगुवाई में कॉग्रेसियों ने सिंचाई विभाग कार्यालय पर सोमवार को प्रदर्शन किया। अधिशाषी अभियंता आविंद कुमार वर्मा को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष डा0 त्रिपाठी ने आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी सरकार ने किसानों की आय दोगुना करने का वादा किया था। किसानों को धान की रोपाई करने के लिए नहरों में पानी नहीं मिल रहा है। सूखा पड़ने पर किसान परेशान हैं। जुलाई माह के अंतिम सप्ताह में भी नहरों में पानी न छोड़ना किसानों के साथ नाइंसाफी है। उन्होंने कहा कि किसान जो थोड़ा बहुत धान लगा पाए हैं, वह पानी के अभाव में नष्ट हो रहा है। नहरों में पर्याप्त मात्रा मं टेल तक पानी छोड़ा जाए। प्रदर्शन में शामिल कॉग्रेस के लोगों ने चेतावनी दिया कि यदि शीघ्र ही नहरों में पानी नहीं छोड़ा गया तो आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। अधिशाषी अभियंता ने प्रदर्शन को देखते हुए अधीक्षण अभियंता को पत्र लिखा है। इस मौके पर पर अमितर्षि द्विवेदी, डा0 प्रशांत देव शुक्ल, वेदांत तिवारी, इरफान अली, महेन्द्र शुक्ल, सलमान खान, मो0 वसीम, अश्वनी उपाध्याय, रियाज सुलतान, मो0 दिलशाद, अतुल तिवारी, शुभम शुक्ल, देवमणि पांडे, विश्वास सिंह, अभय तिवारी समेत बड़ी संख्या में कॉग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

संचारी रोगों से बचाव व जागरूकता के लिए विद्यालयों में आयोजित हुई प्रतियोगिता

प्रतापगढ़। जिले के राजकीय व एडेड माध्यमिक विद्यलायों में संचारी रोगों से बचाव व जागरूकता के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। डीएम संजीव रंजन, सीडीओ व डीआईओएस ओमकार राणा के निर्देश पर आयोजित प्रतियोगिता में प्रधानाचार्यों व शिक्षकों ने बच्चों को रोगों से बचने के लिए तरीके सुझाए। डीआईओएस ने संचारी रोगों पर विद्यालयों में जागरूकता फैलाने के लिए प्रधानाचार्य डा0 विन्याचल सिंह को नोडल अफसर बनाया है। उनके निर्देशन में जिले के सभी विद्यालयों में संचारी रोगों से बचने के लिए छात्र–छात्राओं को जागरूक किया गया।

प्रेम प्रसंग में महिला के बाल काटने व मुंह पर कालिख पोतने की घटना में 17 गिरफ्तार

प्रतापगढ़। हथिगवां थाना क्षेत्र के छोटकी इब्राहिमपुर गांव में रविवार की सुबह प्रेम प्रपंच में पंचायत ने प्रेमी व प्रेमिका के बाल काटने व मुंह पर कालिख पोतने का फरमान सुनाया था। पंचायत में शामिल पटेल विरादरी की महिलाओं व पुरूषों ने महिला व उसके प्रेमी को कपड़ कर पेड़ से बांध दिया। मौका पाकर प्रेमी भाग निकला और घटना की सूचना हथिगवां थाने पर दी। भारी संख्या में घटना स्थल पहुंची पुलिस ने मौके से 15 आरोपियों को धर दबोचा। आरोपी बनाए गये पॉच लोग मौके से भागने में सफल रहे। बाद में पुलिस ने दो और आरोपियों को दबोच लिया। मामला खूब सुर्खियों में छाया रहा। सोमवार को घटना में शामिल 9 पुरूष और 8 महिलाओं को पुलिस ने जेल भेज दिया। अमानवीय घटना में गॉव व रिस्तेदारी के लोग हरिलाल, राजेश कुमार, जियालाल, राजू पटेल, भरत लाल पटेल, सुरेन्द्र कुमार पटेल, सरजू प्रसाद, अनुज कुमार मिश्रा, जयसिंह पटेल के नाम शामिल हैं। जबकि घटना में रहीं दुलारा देवी, कुसुम देवी, विजयलक्ष्मी, सुमित्रा देवी, प्रीती, शिव पती, उमा, अनीता को भी आरोपी बनाया गया है। सोमवार की शाम अथिगवां पुलिस ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया।

नदी में नहाने के दौरान कांवरिए की डूबने से हुई मौत

प्रतापगढ़। शहर के जोगापुर निवासी श्रीपाल का 17 वर्षीय बेटा सोमवार को बाबा बेलखरनाथ धाम में सई नदी में नहाने के दौरान गहरे पानी में जाने से डूबकर मौत हो गई। संतोष सोमवार की सुबह कांवड़ लेकर बाबा बेलखरनाथ थाम पहुंचा था। साथियों संग वह भी नदी में निर्माणाधीन सीढ़ी के सहारे नदी में उतरने लगा। सीढ़ी पर लगी लोहे की पाइप में फंसकर व नदी में गिर गया। इसी दौरान गहरे पानी में जाने से वह डूब गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे बाहर निकाला गया। मेडिकल कालेज पहुंचने पर चिकित्सकों ने संतोष को मृत घोषित कर दिया। संतोष की मौत पर परिजनों में मातम छाया हुआ है।

न्यायालय ने सुनाई चार अभियुक्तों को अर्थदण्ड व अजीवन कारावास की सजा

प्रतापगढ़। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने सोमवार को चार अभियुक्तों को आजीवन कारावास व अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। आसपुर थाना क्षेत्र के आरोपी भरत लाल मिश्र, अनिल मिश्र, विजय सिंह व शिवराम निषाद को हत्या के आरोप में आजीवन करावास व प्रत्येक को 25 हजार रू0 के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। मामले की पैरवी विशेष लोक अभियोजक राकेश प्रताप सिंह व विवेचना थानाध्यक्ष मनोज कुमार राय आसपुर देवसरा ने की।

सम्पादकीय.......

सुरक्षा के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम

पिछले पाँच साल के दौरान भारत दुनिया भर में सबसे ज्यादा सैन्य साजोसामान खरीदने वाला देश रहा है। साल 2024–25 के लिए भारत की संसद में 48 लाख करोड़ रुपए का जो बजट पेश किया गया है, उसमें सबसे ज़्यादा लगभग छह लाख 22 हजार करोड़ रुपये रक्षा के क्षेत्र के लिए रखे गए हैं, जो कुल बजट का लगभग 13 फीसदी है। भारत उन कुछ देशों में से एक है जिसने चौथी पीढ़ी के लड़ाकू विमान, परमाणु पनडुब्बी, सफल सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, मुख्य युद्धक टैंक , एक आईसीबीएम और एक स्वदेशी बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली का डिजाइन निर्माण एवं उत्पादन किया है। सेना आइएनएस विक्रांत जैसे दुनिया के घातक युद्धपोत, तेजस और राफेल जैसे विध्वंसक लड़ाकू विमानों और परमाणु पनडुब्बियों से लैस हुई। भारत ने कई परमाणु मिसाइलों का परीक्षण सफल रहा। भारतीय रक्षा अनुंसधान संगठन और अन्य रक्षा उत्पादन कंपनियों ने 2023 में डिफेंस उपकरणों के उत्पादन में भी बड़ा रिकॉर्ड बनाया। इसके साथ ही भारत 85 देशों को हथियार बेचने वाला देश बन गया। यही नही 24 जुलाई 2024 को भारत ने 5000 किलोमीटर दूर दूश्मन की उड़ती मिसाइल नष्ट करने का सफल परीक्षण कर डाला। रक्षा के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम इस बॉत का संकेत है कि अब भारत दूश्मन देशों से हर स्तर पर निपटने को तैयार है। बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली के निर्माण में भारत का आगे बढ़ना सुखद और स्वागतयोग्य और देश के लिए खुशखबरी है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने 5,000 किलोमीटर की दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों को नाकाम करने की क्षमता का सफल परीक्षण किया है। इस दौरान बालासोर, ओडिशा के समुद्री तट के आसपास के गांवों में बड़ी हलचल थी। अनेक गांव खाली करा लिए गए थे, लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के साथ ही उन्हें आर्थिक मुआवजा भी दिया गया था। देर शाम आसमान में उड़ती दुश्मन की मिसाइल को जमीन से मार गिराने की क्षमता का सफल परीक्षण किया गया है। यह भारत की बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली के दूसरे चरण की सफलता का अवसर है। मतलब जल्द ही, भारत अपने महत्वपूर्ण शहरों, ठिकानों के आसपास ऐसा मिसाइल सुरक्षा तंत्र स्थापित करेगा, जिससे दुश्मन की ओर से आ रही किसी भी खतरनाक मिसाइल को आसमान में ही नष्ट किया जा सके। अपनी विशाल आबादी की रक्षा के लिए भारत के पास यह सुरक्षा तंत्र होना ही चाहिए। परीक्षण भी बहुत दिलचस्प ढंग से किया गया। पहले एक मिसाइल को दुश्मन की मिसाइल की तरह दागा गया और उसके बाद जमीन व समुद्र में तैनात भारतीय राडारों ने उस मिसाइल का तत्काल पता लगाया और चार मिनट के भीतर ही जमीन से जवाबी बैलिस्टिक मिसाइल ने उड़ान भरी और टारगेट से हवा में ऊपर ही जा टकराया। वैसे तो भारत कम दूरी, मध्यम दूरी और बहुत लंबी दूरी की मिसाइल बनाने में सक्षम है, पर आज के समय में मिसाइल बनाना जितना जरूरी है, उतना ही आवश्यक मिसाइलों से बचने की क्षमता विकसित करना भी है। इस परीक्षण में सबसे बड़ी सफलता दुश्मन की मिसाइल का पता लगाने की क्षमता है, जिसे साल 2006 से ही मुकम्मल करने की कोशिश में भारतीय वैज्ञानिक लगे हुए हैं। भारत अपने बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा कार्यक्रम के पहले चरण को पूरा कर चुका है, जबकि दूसरे चरण में नई श्रेणी के इंटरसेप्ट सिस्टम को पुख्ता करने का काम चल रहा है। कम दूरी की मिसाइलों को मार गिराने की क्षमता भारत के पास पहले से ही है और अब 5,000 किलोमीटर दूर से आने वाली मिसाइलों को भी नष्ट करने की क्षमता भारतीय सेना की ताकत को नए मुकाम पर पहुंचा देगी। रक्षा के क्षेत्र में स्वदेशीकरण को लेकर भी भारत निरन्तर आगे बढ़ रहा है। रक्षा मंत्रालय ने 346 वस्तुओं वाली पांचवीं सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची (पीआईएल) को अधिसूचित किया जा चूका है। ये फैसला रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों (डीपीएसयू) द्वारा आयात को कम करने के लिए लिया गया है। रक्षा उत्पादन विभाग (डीडीपी) इनमें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लाइन रिप्लेसमेंट यूनिट, सिस्टम,सब–सिस्टम, असेंबली, सब–असेंबली, स्पेयर और कंपोनेंट तथा कच्चा माल शामिल है, जिसका आयात प्रतिस्थापन मूल्य 1,048 करोड़ रुपये है। रक्षा मंत्रालय ने 2020 में सृजन पोर्टल लॉन्च किया था। इस पोर्टल पर, रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों (डीपीएसयू) और सेवा मुख्यालय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम और स्टार्ट–अप सहित उद्योगों को स्वदेशीकरण के लिए रक्षा वस्तुएं प्रदान करते हैं। रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों (डीपीएसयू) की पांचवीं जनहित याचिका में वस्तुओं का स्वदेशीकरण विभिन्न तरीकों से करेंगे, जिसमें 'मेक' प्रक्रिया या एमएसएमई सहित उद्योग को शामिल करते हुए स्वदेश में ही विकास शामिल है। इससे अर्थव्यवस्था में वृद्धि को गति मिलेगी, रक्षा क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। इससे अकादमिक और शोध संस्थानों की भागीदारी के कारण घरेलू रक्षा उद्योग की डिजाइन क्षमताओं में वृद्धि होगी। इससे पहले, रक्षा उत्पादन विभाग (डीडीपी) द्वारा डीपीएसयू के लिए 4,666 वस्तुओं से संबंधित चार जनहित याचिकाएं अधिसूचित की गई थीं, जिनमें से 2,972, जिनका आयात प्रतिस्थापन मूल्य 3,400 करोड़ रुपये है। इनका पहले ही स्वदेशीकरण किया जा चुका है। डीपीएसयू के लिए ये पांच सूचियां सैन्य मामलों के विभाग (डीएमए) द्वारा अधिसूचित 509 वस्तुओं की पांच सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियों के अतिरिक्त हैं। इन सूचियों में अत्यधिक जटिल प्रणालियां, सेंसर, हथियार और गोला–बारूद शामिल हैं। जून 2024 तक, डीपीएसयू और एसएचक्यू द्वारा स्वदेशीकरण के लिए उद्योग को 36,000 से अधिक रक्षा वस्तुओं की पेशकश की गई थी। उनमें से, पिछले वर्षों में 12,300 से अधिक वस्तुओं का स्वदेशीकरण किया गया है। परिणामस्वरूप, डीपीएसयू ने घरेलू विक्रेताओं को 7,572 करोड़ रुपये के ऑर्डर दिए हैं। बहरहाल चूंकि भारत की नीति कभी भी पहले हमला करने की नहीं रही है, इसलिए भी उसे मिसाइलों का जवाब देने में सक्षम होना चाहिए । आगे के लिए यह मानकर चलना चाहिए कि जब भी युद्ध होगा, भारत का मुकाबला मिसाइलों की बौछार से होगा, अतरू उनसे सुरक्षा का कवच तैयार करना समय की मांग है। भारत ने एस–400 नाम का मिसाइल सुरक्षा कवच रूस से लिया है। अभी कुछ और की आपूर्ति होनी है। वास्तव में, हमें अपना पुख्ता मिसाइल सुरक्षा कवच विकसित करना चाहिए। ताजा सूचना है, युद्ध में लगा रूस अब भारत की जरूरतों पर भी ध्यान देगा।

विनम्रता, सहजता और संकल्प दीर्घ लक्ष्य प्राप्ति के सन्मार्ग

संजीव ठाकुर

भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कलाम राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर बने रहने के पश्चात भी विद्यार्थियों के साथ रहा करते थे जो उनको महानतम बनाता है और इसी महानता के लिए उन्हें भारत का सर्वोच्च भारत रत्न की उपाधि दी गई थी।

मनुष्य सदैव प्रयास करता है कि उसे लक्ष्य और सफलता जल्द से जल्द प्राप्त हो पर वस्तुतः ऐसा होता नहीं है, स्थाई सफलता के लिए कठोर श्रम, संकल्प, सहजता और विनम्रता सच्चे सन्मार्ग हैं जल्दी का काम शैतान का होता है ऐसा कहावतें कहती है, लक्ष्य प्राप्ति के लिए जीवन में निरंतर श्रम सहजता सरलता और संघर्ष के साथ संयम का बड़ा योगदान होता है। प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है वह जीवन के हर सोपान में अपने आप को उत्तम स्थिति में रखना चाहता है। किंतु जीवन की सफलता मनुष्य के संघर्ष और उसके आचरण में अंतर्निहित विनम्रता पर भी निर्भर करती हैं। मनुष्य यदि सब कुछ प्राप्त करके भी वह विनम्र नहीं है तो उसका जीवन अधूरा है। रावण बहुत बड़ा विद्वान और शास्त्रों का ज्ञाता था किंतु उसके जीवन में और उसके आचरण में विनम्रता ना होकर दंभ और अहंकार समाविष्ट था, अतः वह अपने अहम और विनम्रता विहीन जीवन के कारण प्रभु श्री राम के हाथों मारा गया। विनम्रता मनुष्य का वह गुण है जो मनुष्य के निजी जीवन में समाजीकरण की प्रक्रिया में उसके द्वारा आत्मसात किया जाता है। मनुष्य मूलतः अहंकारी, स्वार्थी, लालची तथा पद प्राप्त करने वाला लोभी रूप होता है। किंतु धीरे–धीरे वह सामाजिक परिवेश में अपने आसपास के ज्ञानी ,साधु एवं सच्चे सद्गुणी नागरिकों के संपर्क में आकर अपने लोभ तथा लालच की अहंकारी गतिविधियों में सुधार लाकर सहिष्णु, सौहार्द, करुणा, सहयोग आदि गुणों को अपने में समाहित कर विनम्रता के सद्गुण को ग्रहण कर लेता है। विनम्रता सही मायने में सामाजिक अच्छाई की परिणति है। सद्गुण और विनम्रता महान लोगों के द्वारा ग्रहण किया हुआ वह अलंकार है जो उसे लोक तथा परलोक में सर्वमान्य रूप से स्थापित करता है। छोटा और तुच्छ व्यक्ति अपनी छोटी–छोटी गतिविधियों में रहकर अपने आप को सर्वशक्तिमान एवं सर्व ज्ञानी समझकर कुएं के मेंढक की तरह अधजल गगरी छलकत जावे की कहावत को सिद्ध करता है। महान तथा ज्ञानी व्यक्ति के व्यक्तित्व में विनम्रता झलकती है वह उसे प्रदर्शित करने से परहेज करते हैं क्योंकि विनम्रता उनके संपूर्ण व्यक्तित्व में समाहित होती है। विनम्रता किसी भी सज्जन व्यक्ति की जीवन की शैली होती है। महान और विनम्र व्यक्ति की प्रशंसा करने पर भी वे उसे स्वीकार न कर किसी दूसरे व्यक्ति को इसका श्रेय देते हैं। और अज्ञानी और छोटी सोच के कारण व्यक्ति अपने मियां मिट्ठू बनने से नहीं अघाते हैं। ज्ञानी व्यक्ति अपनी उपलब्धि को समाज की बेहतरी के लिए उपयोग में लाता है, ना कि उसे केवल अपने अथवा अपने करीबी या परिवार के लिए ही सीमित नहीं रखता है। विनम्र व्यक्ति सदा ज्ञान तथा सद्गुणों की खोज में रहता है एवं उसके जीवन में नई–नई उपलब्धियां अपने आप आने लगती हैं । जिस तरह फलदार वृक्ष सदैव झुके हुए होते हैं उसी तरह विनम्र और ज्ञानी व्यक्ति भी बहुत अधिक विनम्र तथा देश समाज और राष्ट्र के प्रति निष्ठावान होता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कलाम राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर बने रहने के पश्चात भी विद्यार्थियों के साथ रहा करते थे जो उनको महानतम बनाता है और इसी महानता के लिए उन्हें भारत का सर्वोच्च भारत रत्न की उपाधि दी गई थी। ज्ञानी व्यक्ति केवल सूचनाओं का केंद्र ही नहीं होता बल्कि ज्ञान उसे विनम्र और सद्गुणी बनाता है, विनम्रता मनुष्य को उसके जीवन में अच्छे मार्ग में प्रशस्त होता है विनम्र व्यक्ति ही समाज में उचित स्थान तथा सम्मान का हकदार बनता है। विनम्रता से ही मनुष्य समाज के हर पहलू में उसका पात्र बनकर उसे ग्रहण करने का अधिकार रखता है। इसलिए विनम्र एवं ज्ञानी व्यक्ति समाज में सदैव सम्मानित एवं उच्च स्थान प्राप्त करने वाला व्यक्ति बन जाता है। विनम्र व्यक्ति में नेतृत्व गुण भी संभावित होता है क्योंकि ज्ञानी और विनय शील व्यक्ति को अपने नेतृत्व कर्ता के रूप में शहर से स्वीकार करती है। क्योंकि ऐसा व्यक्ति अपने विचारों को आमजन पर अधिरोपित नहीं करता बल्कि उनके विचारों को उनके सुझाओं को प्राप्त कर नए–नए समाधान भी निकलता है। महात्मा गांधी जी ने सत्य और अहिंसा को अपना साधन घोषित करते हुए स्वतंत्रता के लिए इसे अपना अस्त्र तथा शस्त्र बनाया था। सत्य और अहिंसा विनम्र व्यक्ति के दो अमोघ अस्त्र की तरह थे जो विनम्रता को और प्रभावशाली बनाते हैं। विनम्र व्यक्ति सदा संतोषी एवं परम सुखी होता है क्योंकि उसकी अपनी कोई महत्वाकांक्षा इच्छा, लोभ,जलन अथवा प्रतिस्पर्धा नहीं रहती है, वह अवगुणों से दूर रहकर अपने को परिमार्जित कर लेता है और समाज के विकास के लिए समर्पित भी रहता है। महात्मा बुद्ध के संदर्भ में कहा जाता है कि जब वे ज्ञान की खोज में देशाटन कर रहे थे तब लोगों ने उन्हें अनेक प्रकार की यातनाएं दी पर महात्मा बुध ने बिना विचलित हुए अपनी खोज में लगे रहे और उनके अथक प्रयास ,विनम्रता और ज्ञान के दम पर महापरिनिर्वाण की स्थिति को प्राप्त किया। जिस तरह शक्ति को दबाया जा सकता है किंतु समाप्त नहीं किया जा सकता उसी प्रकार विनम्रता कुछ समय के लिए कमजोर प्रतीत हो सकती है अंततः उसकी अपनी क्षमता व्यापकता और पर्वत के समान कठोर तत्वों के कारण वह हर बाधा को पार कर मनुष्य को सफलता दिलाने में सक्षम होती है इसी विनम्रता और कठोर श्रम के चलते महात्मा गांधी ने ब्रिटिश सरकार की बाधा को नेस्तनाबूद कर दिया और भारतवासियों को अपनी विनम्रता से स्वाधीनता का स्वाद चखाया। यही बात हमारी भारतीय सनातन तथा वैदिक संस्कृति पर भी लागू होती है वह हजारों वर्ष से अब तक सुरक्षित बनी हुई है। विनम्रता व्यक्ति हो या संस्कृति उसे विनम्रता स्थायित्व प्रदान करती है एवं आने वाले मार्ग की बाधाओं को समाप्त कर देती है जैसा कि अहंकार का अस्थाई तथा क्षणभंगुर होता है, किसी भी राष्ट्र संस्कृति समाज के स्थायित्व के लिए उसका विनम्र तथा सहिष्णु होना आवश्यक है । इसीलिए यह माना जाता है कि मनुष्य, समाज ,देश के लिए विनम्रता सर्वश्रेष्ठ अवदान है।

एक शिक्षिका का पत्र छात्राओं के नाम

मेरी प्रिय छात्राओं आज कल कुछ लोग मठाधीश बन कर कह रहे हैं कि 'महिलाएँ बकरी जैसी मैं३मैं३कर के मिमिया रही हैं।' 'मैं यहाँ गयी,मैं वहाँ गयी।' 'मैंने यह किया,मैंने वह किया।' निजता का मानक केवल स्त्रियों के लिए ही है क्या? आज आधार कार्ड के समय में हर जगह समर्थ और विद्वान पोर्टल पर सभी जानकारियाँ अपलोड कर के हमारा व्यक्तिगत कुछ बच नहीं रहा है। नासा के अत्याधुनिक कैमरे थोड़ी सी खिड़की खुली हो तो इतनी साफ तस्वीर खींच ले रहे हैं कि आप के घड़ी का सही समय भी उसमें दिखा जायेगा।सरकार पनोप्टिकन निगाह रख कर सब देख रही है।गूगल मैप सारा यात्रा विवरण दे ही दे रहा है।जिन्हें निजता चाहिए वे समझदार हैं,वे निजी फोन पर इंटरनेट का प्रयोग नहीं करते हैं और लोकेशन ऑफ रखते हैं।कुछ विशिष्ट सरकारी सेवाओं में सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत एकाउंट बनाने पर पाबंदी है।यदि कोई किसी

प्लेटफॉर्म पर मौजूद है तो जिम्मेदारी और जवाबदेही उसकी बनती है।बहुतेरे हनी ट्रैप के शिकार हो चुके हैं फिर भी जो सोशल मीडिया पर बने हुए हैं,वे प्रचार के लिए ही तो हैं।बड़े लेखक वैसे भी इस प्लेटफार्म पर नहीं हैं।

यह जो मानस है न,वह इतना गहरा अनुकूलित हो चुका है कि उसे पता ही नहीं चलता है कि वह कैसे अपने आचार–विचार में स्त्री विरोधी है।इसलिए पुरूषों को हम स्त्रियों को ही बतलाना पड़ेगा कि आप सब ढोंगी हैं।भारत माता के देश में अंग्रेजों के जाने के बाद भी घर की स्त्रियां साड़ी के ऊपर से चादर डाल कर घर से निकलती थीं।कहने का अर्थ यह है कि पति के साथ बैठ कर भोजन तक नहीं कर सकतीं थीं।दरअसल घर में छिपे रहने से हमारे दिमाग में जंग लग गया था।

हे महान कवि–आलोचक! हजारों साल के संरक्षण से निकलने के बाद हम थोड़ा सा खुली हवा में साँस ले पायी है।आप चल रहे निंदा करने कि स्त्रियाँ आत्म प्रचार कर रही हैं।कल्पना कीजिए पच्चीस साल के युवक से कोई कहे कि यह घर तुम्हारा नहीं,कुछ भी तुम्हारा नहीं तुम्हें दान में दिया जा रहा है!जाओ सेवक बन कर दूसरे के घर में रहो,क्या वह रह पायेगा।आप सब मर्द बुद्धू बनाते हो संस्कृति और परंपरा के नाम पर।एक दिन बदल दो न यह दान देना।लड़कियों को विवाह की बेड़ियों में जकड़ कर पराधीन बनाना।तब समझ आयेगा कि ज्ञान देने और अनुपालन में कितना बड़ा अंतर है।

अभी कुछ दिनों पहले ही एक लेखिका कुल्हाड़ी से पति द्वारा काटी गयी है!क्यों? क्यों कि पति को उनका लिखना–पढ़ना पसंद नहीं था।कहीं आना–जाना पसंद नहीं था।वह उन्हें घर में कैद कर के रखना चाह रहे थे।वह आर्थिक रूप से स्वावलंबी थीं,बच्चों को काबिल बना कर सेवानिवृत्त थीं।इतना द्वेष! इतना विरोध! कि पूरा जीवन नर्क बना के उम्र गुजरने पर भी जीने न देना,जिंदा काट डालना।

आप का पर्दाफाश हो चुका है।कुछ बदला–वदला नहीं है।मेरी माँ के समय दहेज था,मेरे समय पर है और मेरी बेटियों के समय पर भी रूप बदल कर रहेगा।हजारों मीम सोशल मीडिया पर सालों–साल तैरते रहे कि पत्नी को मत पढ़ाओ,केस पुराना नहीं है–"अऊर पढ़ावा बबुनी के" गाना सभी जानते हैं।व्यभिचारी,पत्नी त्यागी मर्दों,प्रोफेसरों और अधिकारियों पर कितने मीम बने हैं?जरा बतलाइये।

जो यह सब प्रवाद कर रहे हैं,उनको बतला दूँ कि पुरुष निर्मित नियम तोड़ने पर मारी वैसे भी जाएँगीं हम।मैं३मैं३ न करें तो क्या करें महोदय! आप लोग तो हर लेखिका का मजा लेते हैं।आज की स्त्री विरोधी भाषा पर कोई लगाम कसेगा।हर समय३हम भ च म च ब च की चकार ध्वनियां सुने।हम वस्तु बन कर पड़े रहें और आप हमें दान दे के, दूसरा दान ले के अनुगृहीत करता रहे।'यहाँ घूमी वहाँ घूमी' आप से मतलब? अभी कल बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने मुखारविंद से कह रहे थे," अरे तुम महिला हो! तुम क्या जानती हो?" हमारे आका बन कर टोकिये मत। जाइये जा कर अपनी जमात के मर्दों से कहिये! जितना चाहे कहिये! परंतु स्त्रियों को कहियेगा तो उचित नहीं होगा। सुनो! नागर नहीं हे! भदेसबुद्धि लेखक,यह औरत चुप नहीं बैठेगी।कड़ा जवाब देगी।

मेरी बच्चियो यह समझो! कि स्वयं से महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है३मजबूत बनो लड़कियो !एक औरत तुमको बतला रही है,वह तुम्हारी शिक्षिका है,तो वह खुल कर जीना भी सिखलायेगी।केवल किताबी कीड़ा बनना नहीं ।

डॉ अलका प्रकाश

श्रीराम नाम अमृत है

श्रीरामः शरणं समस्तजगतां
रामं विना का गतिः
रामेण प्रतिहन्यते कलिमलं
रामाय कार्यं नमः ।
रामात् त्रस्यति कालभीमभुजगो
रामस्य सर्वं वशे
रामे भक्तिरखण्डिता भवतु मे
राम त्वमेवाश्रयः।।
(श्रीमद्ध्वाल्मीकीय रामायण)

प्रभु श्रीराम जी सम्पूर्ण जगत

को शरण देने वाले हैं। श्रीराम के विना दूसरी कौन–सी गति है। श्रीराम कलियुग के समस्त दोषों को नष्ट कर देते हैं, अतः श्रीरामचन्द जी को प्रणाम करना चाहिए। श्रीराम से कालरूपी भयंकर सर्प भी भयभीत रहता है। संसार का सब कुछ प्रभु श्रीराम जी के वश में है। श्रीराम में मेरी अखण्ड भक्ति बनी रहे। हे राम ! आप ही मेरे आधार है।

आदिकवि वाल्मीकि कृत श्रामायणश आदिकाव्य में प्रभु श्रीराम की जीवन यात्रा का वर्णन है। प्रभु श्रीराम की भक्ति व उनके नाम की कृपा का प्रसाद अनंत है।उदाहरणार्थ –प्रभु श्रीराम के लिए शबरी की भक्ति का अत्यंत सुखद परिणाम रहा। रामसेतु रामनाम की महिमा का प्रताप था। प्रभु श्रीराम असंख्य कष्ट व वियोग पीड़ा सहकर भी अपने भक्तों को कभी निराश व व्यथित नहीं करते हैं तथा उनकी सभी कामनाओं को पूर्ण करते हैं।

कलियुग में श्रामायणश जनमानस के लिये अमिट वरदान है जो व्यक्ति अपने कर्म व श्रद्धा के अनुसार प्राप्त करता है। सच्चे मन से प्रभु श्रीराम का नाम लेते ही सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है। ये ऊर्जा व्यक्ति के जीवन में आने वाली समस्त बाधाओं को समाप्त करने की शक्ति प्रदान करता है।

रामायण काव्य अत्यंत उत्तम, वरणीय और मनोवांछित वर देने वाला है।उसका पाठ और श्रवण करने वाले संसार के माया जाल से मुक्त हो जाते हैं। रामायण आदिकाव्य है।यह स्वर्ग और मोक्ष देने वाला है, अतः सम्पूर्ण धर्मों से रहित घोर कलियुग आने पर रामायण की अमृतमयी कथा को श्रवण करना चाहिए।इस शरीर में तभी तक पाप का वास रहता है जबतक मनुष्य श्रीराम कथा का श्रवण नहीं करता है।

जो पुरुष श्रीरामचन्द्र जी की भक्ति का आश्रय ले प्रेम पूर्वक रामकथा का श्रवण करता है, वह बड़े–बड़े पापों तथा पातक आदि से मुक्त हो जाता है। रामकथा को अत्यंत भक्तिपूर्वक सुनकर मनुष्य महान तेज से उदीप्त हो उठता है और ब्रह्मलोक में जाकर वहीं आनंद का अनुभव करता है।

यस्य रामरसे प्रीतिवर्तते
भक्तिसंयुता।
स एव कृतकृत्यश्च
सर्वशास्त्रार्थकोविदरू।

अर्थात जिसकी श्रीराम –रस में प्रीति एवं भक्ति है,वही सम्पूर्ण शास्त्रों के अर्थ ज्ञान में निपुण और कृतकृत्य है।

धर्मार्थकाममोक्षाणां साधनं च
द्विजोत्तमाः ।श्रोतव्यं च सदा भक्त्या
रामायणपरामृतम् ।।

प्रभु श्रीराम के जीवन चरित पर आधारित श्रामायणश धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का साधन तथा परम अमृत– रूप है, अतः सफल जीवन हेतु सदा भक्ति भाव से रामकथा का श्रवण करना चाहिए। राम नाम एक ऐसा मंत्र है जो व्यक्ति को कुकृत्यों से दूरकर सत्कर्म करने की प्रेरणा देता है तथा यश को बढ़ाता है।जो एकाग्रचित्त होकर रामायण को सुनता अथवा पढ़ता है,वह सब पापों से मुक्त हो भगवान विष्णु के लोक में जाता है।

मनुष्य योनि में जन्में प्रभु श्रीराम द्वारा जनमानस के कल्याण हेतु किए गए कार्य उनके सर्वोत्कृष्ट चरित्र व गुणों का बखान करती है। प्रभु श्रीराम गुणवान, वीर्यवान, धर्मज्ञ, कृतज्ञ, सत्यवादी, दृढ़ प्रतिज्ञ, सध्दाचारी, शांत–सहज, प्रियदर्शन, विद्वान, निन्दा न करने वाले, दूसरो की रक्षा करने वाले, धैर्यवान एवं प्रभावशाली व्यक्तित्व वाले हैं।

कथा रामायणस्यापि नित्यं
भवति यद्गृहे। तद् गृहे तीर्थरूपं
हि दुष्टानां पापनाशनम् ।।

जिस घर में प्रतिदिन रामायण की कथा होती है, वह तीर्थरूप हो जाता है। वहाँ जाने से दुष्टों के पापों का नाश होता है। अमृत विचारों से ओत–प्रोत श्रामायणश में यह बताया गया है कि श्रीराम को समर्पित किया हुआ यह पुण्य काव्य सम्पूर्ण कामनाओं को पूर्ण करने वाला है। जो लोग भक्ति पूर्वक इसे सुनते और समझते हैं,वे लोग सौ जन्मों में उपार्जित किये हुए पापों से तत्काल मुक्त हो अपनी हजारों पीढ़ियों के साथ परम पद को प्राप्त होते हैं।जो प्रभु श्रीरामचन्द्र जी के मंगलमय चरित्र का श्रवण करता है, वह इस लोक और परलोक में भी अपनी समस्त कामनाओं को प्राप्त कर लेता है। जो मनुष्य परमोत्कृष्ट परमात्मा श्रीरामचन्द जी को अपने हृदय मन्दिर में स्थापित कर भजन, पूजन, कीर्तन, स्मरण करता है, वह मोक्ष का भागी होता है। इस प्रकार प्रभु ध्श्रीराम नाम की महिमा अनंत है। प्रभु श्रीराम मोहपाश विकारों एवं दिग्भ्रमित बंधनों से मुक्त करते हैं। श्श्रीरामश शब्द की ध्वनि में हमारे जीवन के सभी दुखों को समाप्त करने की अद्भुत क्षमता है। प्रभु राम का नाम यज्ञ के समान फल देने वाला होता है।अतएव श्रीरामकथा सफल जीवन के लिए अविस्मरणीय, अनुकरणीय एवं नमनीय है।

राम नाम अमृत है।
राम नाम तीरथ है।
ज्ञान चक्षु से देखें,
राम बसें अन्तस हैं।

रेनू मिश्रा ष्दीपशिखाष
प्रयागराज उत्तर प्रदेश

उम्मीदों के उफान में आंकड़ों का फरमान

आलोक पुराणिक

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने 2024–25 का बजट चार वर्गों पर विशेष केंद्रित रखा–'गरीब', 'महिलाएं', 'युवा' और 'अन्नदाता'। मध्यवर्ग इन चारों में दर्ज नहीं था। वित्तमंत्री ने यह बजट बहुत ही चुनौतीपूर्ण हालात में बनाया है। ग्लोबल हालात बहुत संवेदनशील हैं। लगभग 'आग' लगी हुई है दुनिया के दो हिस्सों में। रूस–यूक्रेन युद्ध ने सर्वग्रासी लहर का रूप लिया हुआ है। उधर पश्चिम एशिया की 'आग' थमने का नाम नहीं ले रही है। हाल के आर्थिक सर्वेक्षण ने साफ किया कि अगर पेट्रोल–डीजल और खाद्य आइटमों की महंगाई को हटा कर आंकड़े देखें, तो वित्तीय वर्ष 2023–24 में महंगाई चार साल के न्यूनतम स्तर पर रही है। बजट के दस्तावेजों में दर्ज है कि भारत की महंगाई कम, स्थिर बनी हुई है और 4 प्रतिशत के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। वित्त मंत्री ने बताया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था नीतिगत अनिश्चितताओं की गिरफ्त में होने के बावजूद, भारत की आर्थिक वृद्धि एक शानदार अपवाद बनी हुई है और आने वाले वर्षों में भी ऐसा ही रहेगा। वित्त मंत्री ने बताया कि मुख्य मुद्रास्फीति (गैर–खाद्य, गैर–ईंधन) वर्तमान में 3.1 प्रतिशत है। खाने–पीने की चीजों की महंगाई लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। ऐसी सूरत में मध्यवर्ग की जेब में कुछ रकम कर कटौती के तौर पर आ जाती, तो बेहतर होता। पर ऐसा कुछ हुआ नहीं।

प्रियंका चोपड़ा की बेटी मालती मैरी ने बनाई इंडो-इटेलियन डिश, एक्ट्रेस ने शेयर की फोटो

"प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में मालती मैरी की फोटो शेयर की। फोटो में मालती ने वाइट फ्लोरल टी-शर्ट पहनी हुई है और उनके हाथ में एक रोटी है, जिस पर मोटडिला सॉस लगी हुई हैं। प्रियंका ने फोटो के साथ कैप्शन लिखा: "मोटडिला और रोटी," इसके बाद इंडियन और इटेलियन झंडे वाले इमोजी का इस्तेमाल किया।

इंटरनेशनल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अपनी बेटी मालती मैरी की फोटो शेयर की, जिसमें वह इंडो–इटेलियन डिश का लुत्फ उठाती दिख रही हैं। प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में मालती मैरी की फोटो शेयर की। फोटो में मालती ने वाइट फ्लोरल टी–शर्ट पहनी हुई है और उनके हाथ में एक रोटी है, जिस पर मोर्टाडेला सॉस लगी हुई हैं। प्रियंका ने फोटो के साथ कैप्शन लिखाः ''मोर्टाडेला और रोटी,'' इसके बाद इंडियन और इटेलियन झंडे वाले इमोजी का इस्तेमाल किया। फिलहाल प्रियंका अपनी अपकमिंग एक्शन–थ्रिलर द ब्लफ की शूटिंग में बिजी हैं। द ब्लफ में वह एक समुद्री डाकू की भूमिका निभाती दिखाई देंगी। इस फिल्म का निर्देशन फ्रैंक ई. फ्लावर्स कर रहे हैं। फिल्म में कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले–ग्रीन और वेदांतन नायडू भी हैं। इसके अलावा, प्रियंका जल्द ही हेड्स ऑफ स्टेट में नजर आएंगे। उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। इस फिल्म में जॉन सीना और इदरीस एल्बा लीड रोल में नजर आएंगे। प्रियंका के बारे में बात करें तो उन्होंने साल 2000 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था। मिस वर्ल्ड का ताज जीतने के बाद प्रियंका ने एक्टिंग करियर शुरू किया। 2002 में साउथ सुपरस्टार विजय दलपति तमिल फिल्म थमिजहन में काम किया। साल 2003 में बॉलीवुड में एंट्री ली। वह सनी देओल और प्रीति जिंटा की फिल्म श्द हीरोरू लव स्टोरी ऑफ ए स्पाईश में दिखीं। इसके बाद अंदाज, प्लान, किस्मत, असंभव, मुझसे शादी करोगी, ऐतराज, सलाम–ए–इश्क, बिग ब्रदर, द्रोणा, गॉड तुस्सी ग्रेट हो, लव स्टोरी 2050, फैशन, डॉन 2, बर्फी, अग्निपथ, तेरी मेरी कहानी, जंजीर, कृष 3, बाजीराव–मस्तानी, गुंडे, मेरी कॉम, दिल धड़कने दो जैसी फिल्मों में नजर आईं। इन फिल्मों में प्रियंका के निभाए किरदारों ने उन्हें एक अलग मुकाम पर लाकर खड़ा कर दिया। वह अमेरिकन थ्रिलर सीरीज क्वांटिको में एलेक्स पैरिश के रोल में नजर आईं। वह बेवॉच, इज नॉट इट रोमांटिक, द व्हाइट टाइगर और द मैट्रिक्स रिसरेक्शनश में जैसी हॉलीवुड फिल्मों का हिस्सा रहीं। वह 2023 में रिलीज हुई सीरीज सिटाडेल में एक्शन अवतार में नजर आई।

परिणीति चोपड़ा की मां ने पहले बच्चे के लिए लिखा इमोशनल नोट, बेटी को किया टैग

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा की मां रीना मल्होत्रा चोपड़ा ने पहले बच्चे के बारे में एक दिल को छू लेने वाला पोस्ट शेयर किया है। रीना एक ट्रैवल ब्लॉगर और आर्टिस्ट हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, आपका पहला बच्चा वह होता है जो आपके साथ सब कुछ एक्सपीरियंस करता है। वह जो आपको दिखाता है कि आप कितने मजबूत हैं, वह जो आपके साथ मदरहुड में चलता है, और आप भी उतने ही बड़े होते हैं, जितने वे बड़े होते हैं। रीना ने पोस्ट में परिणीति चोपड़ा को टैग किया और एक रेड हार्ट वाला इमोजी शेयर किया। परिणीति ने अपनी मां के पोस्ट को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर रीशेयर किया। परिणीति के दो भाई हैं– शिवांग और सहज। उनकी पर्सनल लाइफ की बात करें तो, परिणीति ने 24 सितंबर, 2023 को उदयपुर के आलीशान होटल में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और सांसद राघव चड्ढा से शादी की। करियर की बात करें तो परिणीति ने यशराज फिल्म्स में पीआर के तौर पर काम किया। इस दौरान उन्हें रोमांटिक कॉमेडी लेडीज वर्सेज रिकी बहल का ऑफर मिला और उन्होंने फिल्म में रणवीर सिंह और अनुष्का शर्मा के साथ काम किया। वह शुद्ध देसी रोमांस, हंसी तो फंसी, जबरिया जोड़ी, द गर्ल ऑन द ट्रेन, गोलमाल अगेन, संदीप और पिंकी फरार और मिशन रानीगंज जैसी फिल्मों का भी हिस्सा रहीं। परिणीति ने हाल ही में बायोग्राफिकल म्यूजिकल ड्रामा अमर सिंह चमकीला में अमरजोत कौर का किरदार निभाया था। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म पंजाब के मूल रॉकस्टार अमर सिंह चमकीला की अनकही सच्ची कहानी को बयां करती है, जो अपने समय के सबसे बड़े लोक कलाकार थे। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

सनाया ईरानी और दृष्टि धामी के बीच थर्ड व्हील कौन ? मोहित सहगल ने किया खुलासा

"वीडियो में सनाया ग्रे टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहने हुए दिखाई दे रही हैं, जबकि दृष्टि बेज शॉर्ट ड्रेस में नजर आ रही हैं। दोनों छत पर बैठकर मानसून के मौसम का मजा ले रही हैं और बातचीत कर रही हैं।

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस सनाया ईरानी और दृष्टि धामी काफी अच्छी दोस्त हैं। दोनों सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनका एक कैंडिड वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे बारिश का मजा लेने के लिए छत पर बैठी हैं और बातें कर रही हैं। इस वीडियो को सनाया ईरानी के पति और एक्टर मोहित सहगल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है। वीडियो में सनाया ग्रे टी–शर्ट और शॉर्ट्स पहने हुए दिखाई दे रही हैं, जबकि दृष्टि बेज शॉर्ट ड्रेस में नजर आ रही हैं। दोनों छत पर बैठकर मानसून के मौसम का मजा ले रही हैं और बातचीत कर रही हैं। इस वीडियो को मोहित ने शूट किया है। एक्टर ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, हम तीनों के बीच हमेशा मैं ही थर्ड व्हील हूं। कितनी बातें करते हैं यार। इसके बाद उन्होंने गुस्से वाले चेहरे का इमोजी शेयर किया। सनाया ने भी अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर इस वीडियो को रीशेयर किया। बता दें कि 25 जनवरी 2016 को सनाया और मोहित सहगल शादी के बंधन में बंधे थे। दोनों की मुलाकात शमिले जब हम तुमश सीरियल में हुई थी। इस शो में दोनों ने लीड रोल निभाया था। मोहित जहां सम्राट के रोल में नजर आए, तो वहीं सनाया भोली–भाली गुंजन के किरदार में नजर आईं। शादी से पहले दोनों ने एक–दूसरे को लंबे समय तक डेट किया। इस साल ग्रीस के सेंटोरिनी में उन्होंने अपनी शादी की आठवीं सालगिरह मनाई। करियर की बात करें तो सनाया ने अपने एक्टिंग की शुरुआत साल 2006 में आमिर खान और काजोल की फिल्म श्फनाश से की थी। इस फिल्म में उन्होंने महबूबा का किरदार निभाया था। इसके अलावा, उन्होंने कई विज्ञापनों में भी काम किया। एक्ट्रेस ने टीवी इंडस्ट्री पर भी राज किया। लेफ्ट राइट लेफ्ट के जरिए साल 2007 में उन्होंने छोटे पर्दे पर कदम रखा। इसके बाद वह मिले जब हम तुम, इस प्यार को क्या नाम दूं और रंग रसिया समेत कई टीवी सीरियल्स में नजर आ चुकी हैं। सनाया को हाल ही में वेब सीरीज साइबर वार– हर स्क्रीन क्राइम सीन में देखा गया।

वरुण धवन को मुंबई पुलिस ने अपना कायल बना दिया, वीडियो में दिखी वजह

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन ने सोशल मीडिया पर रविवार को सड़क पर आग लगने की एक वीडियो क्लिप शेयर की। आग लगने के कारण सड़क पर अफरातफरी मच गई थी। उन्होंने कहा कि वह उस समय वहां मौजूद थे और पुलिस की प्रतिक्रिया को देखकर वे प्रभावित हुए। शनिवार रात वरुण धवन ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी कार में से वीडियो बनाकर शेयर किया। एक्टर वरुण धवन ने सड़क पर आग लगने की घटना को कैद किया और जो देखा उसे बयां कर दिया। उन्होंने पुलिस के क्विक एक्शन की तारीफ की। एक्टर ने वीडियो कैप्शन में लिखा, मुंबई की रातें। मुंबई पुलिस को हमेशा घटनास्थल पर तुरंत पहुंचते और स्थिति को नियंत्रित करते देखकर अच्छा लगता है। वरुण ने कहा, सौभाग्य से मैं वहां से जल्दी निकल आया। इससे पहले शनिवार को वरुण धवन ने अपनी शाम अपने दोस्त और साथी एक्टर अर्जुन कपूर के साथ बिताई। एक्टर ने दोनों का क्रिकेट खेलते हुए एक वीडियो भी शेयर किया। फिल्म मेकर डेविड धवन के बेटे वरुण ने कहा, षक्रिकेट का शानदार मैच था। ईमानदारी से कहूं तो अर्जुन ने मुझे आउट भी किया। वरुण धवन को आखिरी बार बवाल में देखा गया था, जिसमें जान्हवी कपूर भी थीं। जानकारी के अनुसार, वरुण के पास कई प्रोजेक्ट्स हैं, उनकी कई फिल्में लगातार रिलीज होने वाली हैं, बेबी जॉन पहले बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

कैंसर के बाद हिना खान की बदलने वाली है जिंदगी, कीमोथेरेपी के निशान दिखाते हुए कहा- कुछ अच्छा होने वाला है

"अभिनेत्री वीडियो में किकबॉक्सिंग करती नज़र आईं और कैप्शन में लिखा था, "जीतने के लिए दृढ़ संकल्प, एक-एक कदम।वही कर रही हूं जो मैंने खुद से वादा किया था।

हिना खान ब्रेस्ट कैंसर से जूझते हुए सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कर रही हैं। अपने कीमोथेरेपी सेशन के दौरान, अभिनेत्री ने गर्व से अपना निशान दिखाते हुए इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीर शेयर की। हिना खान ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर के अपने निदान का खुलासा किया। वह अपने स्वास्थ्य के बारे में अपडेट देती रही हैं, उन्होंने बताया कि उनका इलाज शुरू हो चुका है, और वह अपनी जीवनशैली में ज़रूरी बदलाव कर रही हैं। अब, उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपने निशान को दिखाते हुए अपनी तस्वीर शेयर की और लिखा, ''ईश्वर करे कि सब ठीक हो, इंशा अल्लाह।'' इससे पहले, हिना खान ने कैंसर के इलाज के दौरान अपनी ट्रेनिंग की एक झलक शेयर की थी। अभिनेत्री वीडियो में किकबॉक्सिंग करती नज़र आईं और कैप्शन में लिखा था, ''जीतने के लिए दृढ़ संकल्प, एक–एक कदम। वही कर रही हूं जो मैंने खुद से वादा किया था। हां, जैसा कि मैंने कहा, आप अच्छे दिन पा सकते हैं और उनका भरपूर आनंद उठा सकते हैं, भले ही वे कम हों। इस यात्रा को इस बात के लिए याद किया जाना चाहिए कि मैंने इससे क्या हासिल किया, न कि इसके विपरीत। अल्लाह, मुझे यह शक्ति देने के लिए आपका धन्यवाद। मैं आपके निरंतर समर्थन और उपचार के लिए प्रार्थना करता हूँ। सभी के प्रति पूरे सम्मान के साथ, जो कमोबेश इसी तरह की लड़ाई से जूझ रहे हैं, विचार यह है कि खुद को जानें, अपना रास्ता खोजें और अपने शरीर की सुनें।" हिना खान की 16 जुलाई को सर्जरी हुई थी। उन्होंने ब्रेस्ट कैंसर सर्जरी के बाद अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा उन्हें भेजे गए एक नोट की तस्वीर साझा की। हिना को आखिरी बार पंजाबी फिल्म शशिंदा शिंदा नो पापाश में देखा गया था।

सावन में मथुरा-वृंदावन की यात्रा पर जाना बन सकती है मुसीबत, इन जगहों पर ना जाने के लिए सरकार कर रही है अपील

सावन का महीना सबसे पवित्र और शुभ माना जाता है। सावन के दौरान मथुरा-वृंदावन नजारा बेहद खूबसूरत होता है। हालांकि, इस समय कुछ जगहों पर जाना सख्त माना है। बरसात के मौसम में यमुना का जल स्तर काफी बढ़ चुका है। जिस वजह से कई घाटों और मंदिरों के जापने पर रोक लगा दी गई है।

सावन के महीने में ज्यादातर लोग मंदिरों के दर्शन करने के लिए कई तीर्थस्थलों पर जाते हैं। सावन का महीना काफी पवित्र और शुभ माना जाता है। अगर आप मथुरा-वृंदावन जाने की सोच रहे हैं, तो सोच-समझ के जाएं। सावन माह में कृष्ण और शिव भक्तों की यहां भीड़ लग जाती है। मथुरा भगवान कृष्ण की जन्मभूमि है। सावन के दौरान यहां शिवजी की पूजा होती है। इस बीच भक्त शिव जी पूजा करने, जलाभिषेक करने और उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए मथुरा वृंदावन जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी मथुरा-वृंदावन जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको थोड़ा ध्यान देने की जरुरत है। हालांकि, इस समय कुछ जगहों पर जाना सख्त माना है। बरसात के मौसम में यमुना का जल स्तर काफी बढ़ चुका है। जिस वजह से कई घाटों और मंदिरों के जापने पर रोक लगा दी गई है।

इन जगहों पर जाना माना है

दरअसल, मथुरा वृंदावन की इन जगहों पर जाने के लिए लोगों की रोक लगा दी गई है। गौरतलब है कि, यह फैसला भक्तों की सुरक्षा को ध्यान में रखते ही लिया गया है। बरसात के मौसम में यमुना का जलस्तर काफी बढ़ गया है। इसी के चलते जिला प्रशासन ने यमुना किनारे बने मंदिर और घाटों पर ना जाने का अनुरोध किया है। अगर आपने प्रशासन की बात नहीं मानें, तो आप बड़ी मुसीबत में फंस सकते हैं।

इन जगहों पर भूलकर भी न जाएं

कंस टीला

मथुरा में सबसे ज्यादा लोग कंस टीला पर जरूर जाते हैं । पिछले कई दिनों में यमुना का जलस्तर 2 फीट बढ़ चुका है। इस दौरान हादसा होने की संभावना बढ़ जाती है। यहां आने वाले सभी श्रद्धालुओं से सावधानी बरतने की अपील की जा रही है।

विश्राम घाट

मथुरा में विश्राम घाट पर भी यमुना का जल स्तर बढ़ चुका है। यहां पर लोगों से ना आने की अपील की जा रही है। यहां पर यमुना में नाव की सवारी करना भी आपके लिए मुसीबत बन सकती है।

वृंदावन के घाट

अगर आप वृंदावन जा रहे हैं तो इन घाटों का न दर्शन करें। चीर घाट को यमुना नदी के किनारे बसे पवित्र घाटों में से एक है। इस घाट के पर ना जाने की अपील की गई है। वहीं, केशी घाट वृंदावन का मुख्य घाट माना जाता है। यहां भी अभी आने के लिए माना किया गया है।

बरतें सावधानी

-बरसात के मौसम की वजह से यमुना का जलस्तर बढ़ चुका है। इसलिए यमुना नदी के किनारे बने किसी मंदिर या घाट पर ज्यादा समय तक ना रुकें।

-ध्यान रहे कि घाट के बहुत ज्यादा नीचे और पानी में आगे तक ना जाएं।

-घाट पर संभाल कर उतरें। फिसलने का डर बना रहता है।

- नाव की सवारी करने से बचें।

-पानी में स्नान ना करें।

रोजाना सुबह पिएं तुलसी का पानी, तनाव से लेकर दिल तक को भी रखेगा दुरुस्त

रोज सुबह तुलसी का पानी पीने से सेहत को कई लाभ मिलते हैं। तुलसी (बेसिल) एक आयुर्वेदिक औषधि है, जो स्वास्थ्य के लिए अत्यंत फायदेमंद है। तुलसी के पत्तों में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल, एंटी-इंफ्लेमेटरी तत्व होते हैं। तुलसी की पत्तियों का सेवन वैसे तो आप सीधेतौर पर कर सकते हैं, लेकिन रोज सुबह इसके पानी का सेवन और भी ज्यादा फायदा पहुंचाता हैं। चलिए इसी के साथ हम आपको बताते हैं इसे पीने के कुछ लाभ के बारे में और बनाने का तरीका -

इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाना

तुलसी में एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं जो शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं।यह बैक्टीरिया और वायरस के खिलाफ शरीर की रक्षा करता है और संक्रमण से बचाता है।

हेल्दी पाचन

तुलसी का पानी पाचन क्रिया को सुधारने में मदद करता है।यह पेट के गैस, सूजन और कब्ज को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, यह एसिडिटी और हृदयाघात के जोखिम को भी कम कर सकता है।

वजन नियंत्रण

तुलसी के पानी में मेटाबॉलिज्म को तेज करने के गुण होते हैं।यह वजन घटाने में सहायक हो सकता है और शरीर की चर्बी को कम करने में मदद करता है।

तनाव और चिंता को कम करना

तुलसी एक प्राकृतिक तनाव नाशक है।यह मानसिक तनाव और चिंता को कम करने में मदद करता है और मस्तिष्क को शांत करता है।

सफेद दांत और स्वस्थ मसूड़े

तुलसी के पानी का सेवन दांतों और मसूड़ों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक हो सकता है।इसमें एंटीसेप्टिक और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं जो मौखिक स्वास्थ्य को सुधारते हैं।

डिटॉक्सिफिकेशन

तुलसी के पानी से शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं।यह शरीर की डिटॉक्सिफिकेशन प्रक्रिया को सहायता प्रदान करता है और किडनी और लिवर को साफ करता है।

दिल के स्वास्थ्य को बनाए रखना

तुलसी का पानी हृदय की सेहत को बढ़ावा देता है।इसमें कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर को कम करने के गुण होते हैं, जिससे हृदय रोगों का जोखिम कम होता है।

स्किन की चमक बढ़ाना

तुलसी के पानी का सेवन त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने में मदद करता है।इसके एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा के निखार को बढ़ाते हैं और उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करते हैं।

श्वसन समस्याओं में राहत

तुलसी के पानी का सेवन श्वसन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।यह खांसी, जुकाम और सांस की समस्याओं को कम करने में सहायक होता है।

तुलसी पानी कैसे तैयार करें

- 10-15 ताजे तुलसी के पत्ते लें।
- 1 कप पानी में तुलसी के पत्ते डालें।
- पानी को उबालें और फिर इसे ठंडा होने दें।
- उबले हुए पानी को छान लें और सुबह खाली पेट पीएं।

हर व्यक्ति की सेहत और शरीर की जरूरतें अलग होती हैं, इसलिए यदि आप तुलसी पानी का सेवन शुरू करने से पहले किसी स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं, तो डॉक्टर या विशेषज्ञ से सलाह लेना अच्छा रहेगा।

डैंड्रफ होगा जड़ से खत्म, इस तरह से लगाएं सेब का सिरका, हेयर फॉल भी होगा कम

मानसून के मौसम में डैंड्रफ की समस्या बेहद कॉमन है। बार-बार स्कैल्प में खुजली होना और इसके साथ ही बालों का झड़ना इन सबसे आप परेशान हो गए होंगे। इसे बचने के लिए लोग तरह-तरह के हेयर केयर प्रोडक्ट्स, हेयर ट्रीटमेंट का करवाते है लेकिन इससे कुछ फायदा नहीं होता है। आपको रूसी है और कई घरेलू उपाय ट्राई कर सकते हैं। आप सेब का सिरका को कई तरह के इस्तेमाल करके डैंड्रफ को खत्म कर सकते हैं।

डैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए सेब का सिरका लगाएं

- बालों में सेब का सिरका लगाने से रूसी खत्म हो जाती है। हेयर्स में सेब का सिरका लगाने के लिए कप पानी में 2 बड़े चम्मच सेब का सिरका डालें। इस पानी को कॉटन की मदद से स्कैल्प पर अच्छी तरह से लगाएं। इसे 30 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद माइल्ड या हर्बल शैम्पू करें और अच्छी तरह से बालों को धो लें।

- सेब का सिरका और टी ट्री ऑयल के इस्तेमाल से डैंड्रफ की समस्या से दूर करता है। सबसे पहले आप एक कप सेब का सिरका में 5-6 बूंदें टी ट्री ऑयल की डालकर मिक्स करें और इसे बालों में अप्लाई करें। एक घंटे बाद बालों को धो लें।

- बेकिंग सोडा और सेब का सिरका मिक्स करके स्कैल्प पर लगाने से रूसी से छुटकारा काफी हद तक मिल सकता है। इसके लिए आपको एक कप एप्पल साइडर विनेगर में एक छोटा चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं और सिर में लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद आप बालों को शैम्पू सो धो लें। बेकिंग सोडा में एंटी फंगल और एंटी सेप्टिक तत्व होते हैं, जो डैंड्रफ को कम करने में कारगर हो सकता हैं।

- सेब के सिरके में ऑलिव ऑयल की कुछ बूंदें डालकर इसे स्कैल्प पर अच्छी तरह से लगाएं और कुछ देर के लिए रहने दें। फिर इसे नॉर्मल पानी से बालों को अच्छी तरह से साफ कर लें।

ये हैं 5 सबसे आसान और जरूरी बालों की देखभाल करने के टिप्स

बालों की देखभाल के लिए ये 5 टिप्स आपके बालों को स्वस्थ और सुंदर बनाए रखने में मदद करेंगे। इन आसान उपायों को अपनाकर, आप बालों के टूटने, ड्राइनेस, और अन्य समस्याओं से बच सकते हैं। चाहे आप अपने बालों को प्राकृतिक तरीके से संवारना चाहती हैं या केवल कुछ आसान बदलाव चाहती हैं, ये टिप्स आपके लिए उपयोगी साबित होंगे।

सही शैम्पू और कंडीशनर का चयन करें

अपने बालों के प्रकार के अनुसार शैम्पू और कंडीशनर का चयन करें। यदि आपके बाल सूखे हैं, तो हाइड्रेटिंग शैम्पू और कंडीशनर का उपयोग करें। यदि बाल तैलीय हैं, तो एक हल्का शैम्पू उपयोग करें। बाल धोने से पहले अपने बालों को गीला करें और फिर शैम्पू लगाकर अच्छे से मसाज करें। कंडीशनर को बालों के सिरों पर लगाएं और कुछ मिनटों के लिए छोड़ दें, फिर धो लें।

बालों को नियमित रूप से ट्रिम करें

बालों को हर 6-8 हफ्ते में ट्रिम करना जरूरी है ताकि बालों की चसपज म्दके से बचा जा सके और बाल स्वस्थ बने रहें।किसी भी अच्छे हेयर सैलून में जाएं या घर पर ही बालों को ट्रिम करें। बालों की वृद्धि को उत्तेजित करने के लिए नियमित ट्रिमिंग आवश्यक है।

सही आहार का सेवन करें

अपने आहार में पर्याप्त मात्रा में विटामिन और मिनरल्स शामिल करें जो बालों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। विटामिन ए, सी, डी, ई, जिंक, आयरन, और ओमेगा-3 फैटी एसिड बालों की सेहत को बनाए रखने में मदद करते हैं।अपने भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, नट्स, बीन्स, और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें।

बालों को गर्मी से बचाएं

गर्मी से बालों को नुकसान हो सकता है, इसलिए हेयर ड्रायर, स्ट्रेटनर, या कर्लिंग आयरन का उपयोग कम करें। यदि इनका उपयोग करना ही हो, तो हीट प्रोटेक्टेंट स्प्रे का इस्तेमाल करें। बालों को सुखाने के लिए तौलिए से हल्की थपथपाहट करें और फिर हवा में सूखने दें। गर्म उपकरणों का प्रयोग केवल जब अत्यंत आवश्यक हो।

प्राकृतिक तेलों का उपयोग करें

बालों की नमी और पोषण बनाए रखने के लिए प्राकृतिक तेलों का उपयोग करें, जैसे नारियल का तेल, अरंडी का तेल, या बादाम का तेल। ये बालों को मुलायम और चमकदार बनाते हैं। सप्ताह में 1-2 बार तेल मसाज करें। तेल को बालों की जड़ों में लगाएं और कुछ घंटे के लिए छोड़ दें, फिर सामान्य शैम्पू से धो लें।

इन आसान और प्रभावी बाल देखभाल के टिप्स को अपनाकर आप अपने बालों को स्वस्थ, चमकदार और मजबूत बना सकते हैं।

संक्षिप्त

सेंसेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई पर, निफ्टी पहली बार 24,900 के पार पहुंचा

अमेरिकी अर्थव्यवस्था में सकारात्मक विकास और पहली तिमाही के नतीजों से मिली निरंतर गति को देखते हुए बेंचमार्क शेयर बाजार सूचकांक सप्ताह के पहले दिन सकारात्मक रुख के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स ने शुरुआती कारोबार में 81,720.25 का सर्वकालिक उच्च स्तर छुआ। एनएसई निफ्टी 50 चढ़कर 24,980.45 पर पहुंच गया और आज 25,000 का आंकड़ा पार कर सकता है। अन्य व्यापक बाजार सूचकांकों ने भी कारोबार सत्र की शुरुआत सकारात्मक रुख के साथ की। निफ्टी 50 पर शीर्ष पांच लाभ कमाने वाले शेयर एनटीपीसी, बीपीसीएल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई और श्रीराम फाइनेंस रहे, जबकि शीर्ष हारने वाले शेयर डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज, टाइटन, सिप्ला, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और एसबीआई लाइफ रहे।

शेयर बाजार पर विशेषज्ञों ने कही ये बात

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वी के विजयकुमार ने कहा, ष्सकारात्मक संकेतों के कारण तेजी वाले बाजार की प्रवृत्ति और मजबूत हो गई है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए नरम स्थिति तथा सितम्बर में फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बरकरार है। इससे इस तेजी वाले बाजार को वैश्विक समर्थन मिलेगा। अमेरिका में 10 साल के बॉन्ड की यील्ड में 4.17 प्रतिशत की गिरावट और ब्रेंट क्रूड में 81.2 डॉलर की गिरावट अन्य सहायक कारक हैं। हाल के रुझानों से हटकर, एफआईआई और डीआईआई दोनों ने पिछले शुक्रवार को खरीदार का रुख किया, जिसके परिणामस्वरूप कुल 5320 करोड़ रुपये की खरीदारी हुई, जिससे बाजार में तेजी आई। उन्होंने कहा, ष्डीआईआई जो बजट में कर प्रस्तावों पर स्पष्टता की प्रतीक्षा में नकदी पर बैठे थे, उन्होंने विशेष रूप से गुणवत्ता वाले बड़े कैप में धन लगाना शुरू कर दिया है, जो निफ्टी में तेज उछाल का कारण है। उन्होंने कहा, वर्तमान परिदृश्य में, बाजार संभवतः मूल्यांकन संबंधी चिंताओं को नजरअंदाज करेगा और आगे बढ़ेगा। आईसीआईसीआई बैंक ने पहली तिमाही के अच्छे आंकड़े पेश किए हैं। जमाराशियों में धीमी वृद्धि के कारण संभावित मार्जिन संकुचन की आशंकाओं के कारण बाजार बैंकिंग शेयरों के अच्छे परिणामों को काफी हद तक नजरअंदाज कर रहा है।

अगस्त में कुछ ही दिन खुलेंगे बैंक, हर राज्य में इतने दिन रहने वाले है छुट्टी, देखें पूरी लिस्ट

भारत में सभी सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंक रविवार, दूसरे और चौथे शनिवार, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय छुट्टियों सहित 13 दिनों के लिए बंद रहेंगे। विभिन्न राज्यों में बैंक अवकाश अलग–अलग होते हैं, जिसके कारण ग्राहकों को अपनी निकटतम बैंक शाखा से अवकाश की पूरी सूची की पुष्टि कर लेनी चाहिए। राज्य की छुट्टियों की सूची के आधार पर, बैंक केर पूजा, टेंडोंग लो रम फात, देशभक्त दिवस, स्वतंत्रता दिवस/पारसी नव वर्ष (शहंशाही), रक्षा बंधन/झूलाना पूर्णिमा/बीर बिक्रम किशोर माणिक्य बहादुर के जन्मदिन के अवसर पर बंद रहेंगे। श्री नारायण गुरु जयंती, जन्माष्टमी (श्रावण वद–8)/कृष्ण जयंती।

अगस्त 2024 में बैंक की छुट्टी

3 अगस्त– केर पूजा के कारण अगरतला में बैंक बंद रहेंगे।

8 अगस्त– टेंडोंग लो रम फात के लिए सिक्किम में बैंक बंद हैं।

13 अगस्त– देशभक्त दिवस के अवसर पर मणिपुर में बैंक बंद रहेंगे।

15 अगस्त– स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत में सभी बैंक बंद रहेंगे।

19 अगस्त– त्रिपुरा, गुजरात, उड़ीसा, उत्तराखंड, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में बैंक बंद रहेंगे।

20 अगस्त– श्री नारायण गुरु जयंती के अवसर पर केरल में बैंक बंद रहेंगे।

26 अगस्त– जन्माष्टमी के अवसर पर गुजरात, उड़ीसा, चंडीगढ़, तमिलनाडु, उत्तराखंड, सिक्किम, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, जम्मू, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मेघालय, हिमाचल प्रदेश और श्रीनगर में बैंक बंद हैं।

अगस्त में आएंगे लॉन्ग वीकेंड

26 अगस्त को जन्माष्टमी के अवसर पर बैंक बंद रहेंगे। इस दिन गुजरात, उड़ीसा, चंडीगढ़, तमिलनाडु, उत्तराखंड, सिक्किम, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, जम्मू, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मेघालय, हिमाचल प्रदेश और श्रीनगर में बैंक बंद रहेंगे।

ऑनलाइन बैंकिंग सेवाएं

बैंक की छुट्टियों के दौरान भी सभी बैंक अपनी ऑनलाइन वेबसाइट और मोबाइल बैंकिंग सेवा ऐप संचालित करेंगे। आप बैंक की छुट्टियों के दौरान नकदी निकासी के लिए किसी भी बैंक के एटीएम का उपयोग कर सकते हैं।

अगले महीने यानी 1 अगस्त से बदल जाएंगे ये वित्तीय नियम, बढ़ जाएंगे आपके खर्चे

अगस्त माह में धन से जुड़े कुछ नियमों में बदलाव होंगे। हर महीने पैसों से जुड़े नियमों में बदलाव होता रहता है। इन बदलाव के पीछे कई अलग अलग कारण होते है। इस महीने यानी अगस्त में एचडीएफसी द्वारा क्रेडिट कार्ड नियमों में बदलाव से लेकर एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों तक में बदलाव हो सकते है। बता दें कि ये बदलाव एक अगस्त से लागू होंगे। इन बदलावों से आपके खर्चे प्रभावित होंगे। एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतें हर महीने की पहली तारीख को तय होती हैं। एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत का असर सभी के खर्चों पर पड़ता है। बता दें कि जुलाई में सरकार ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलेंडर के दाम घटाए थे और संभावना है कि अगस्त में एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम और कम हो जाएंगे। एचडीएफसी बैंक ने 1 अगस्त से कई बदलाव किए हैं, जिनका सीधा असर उसके क्रेडिट कार्ड धारकों पर पड़ेगा। अगस्त से पेटीएम, क्रेड, मोबीक्विक, चेक जैसे थर्ड–पार्टी पेमेंट ऐप के ज़रिए किए जाने वाले सभी रेंटल ट्रांज़ेक्शन पर ट्रांज़ेक्शन राशि पर 1 प्रतिशत शुल्क लगेगा, जो प्रति ट्रांज़ैक्शन 3000 तक सीमित है।

अश्विन ने चखा अपनी ही दवा का स्वाद, टी20 लीग में मांकडिंग का शिकार होने से बचे, गेंदबाज ने दी चेतावनी

यह दिलचस्प इसलिए था क्योंकि मांकडिंग के नियम को चर्चा में लाने का श्रेय अश्विन को जाता है। उन्होंने इस रन आउट स्ट्रैटजी का इस्तेमाल आईपीएल में जोस बटलर को आउट करने के लिए किया था।

चेन्नई। रविचंद्रन अश्विन को अपनी दवा का स्वाद मिला। वह मांकडिंग का शिकार होने से बाल–बाल बच गए। गेंदबाज ने उन्हें सिर्फ चेतावनी देकर छोड़ दिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। दरअसल, स्पिनर एस मोहन प्रसाद ने रविवार को डिंडीगुल ड्रैगन्स और नेल्लई रॉयल किंग्स के बीच तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) 2024 मैच के दौरान नॉन–स्ट्राइकर एंड पर उन्हें चेतावनी दी थी। यह घटना ड्रेगन की पारी के पहले ओवर में हुई क्योंकि अश्विन नॉन स्ट्राइकर के छोर पर थे और गेंदबाज ने देखा कि वह गेंद फेंके जाने से पहले क्रीज छोड़ रहे थे। प्रसाद जैसे ही रन अप लेकर गेंद फेंकने आए, उन्होंने अश्विन को आगे बढ़ता देख खुद को रोक लिया और गेंद को विकेट की तरफ फेंकने का इशारा करते हुए अश्विन को देखने लगे। अश्विन को कुछ देर तक देखते हुए उन्होंने भारत के दिग्गज गेंदबाज को चेतावनी दी। यह दिलचस्प इसलिए था क्योंकि मांकडिंग के नियम को चर्चा में लाने का श्रेय अश्विन को जाता है। उन्होंने इस रन आउट स्ट्रैटजी का इस्तेमाल आईपीएल में जोस बटलर को आउट करने के लिए किया था और इसके बाद मांकडिंग की घटनाएं हुईं। अश्विन ने न जाने कितने ही बल्लेबाजों को इस तरह की चेतावनी दी है और अब वह खुद इसका शिकार होने से बच गए। इसका वीडियो भी सामने आया है। अश्विन फिलहाल तमिलनाडु प्रीमियर लीग का हिस्सा हैं और भारतीय टीम से दूर चल रहे हैं। अश्विन ने टी20 और वनडे से संन्यास नहीं लिया है, लेकिन उनके इस प्रारूप में वापसी की संभावना बेहद कम है। अश्विन टेस्ट में भारतीय टीम का नियमित हिस्सा हैं। टीम इंडिया फिलहाल श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज खेल रही है। गौतम गंभीर की देखरेख में भारत ने श्रीलंका पर तीन मैचों की सीरीज में 2–0 की अजेय बढ़त भी बना ली है। रविवार को खेले गए दूसरे टी20 में भारत ने बारिश से बाधित मैच में डकवर्थ लुईस नियम के तहत सात विकेट से हरा दिया। यशस्वी जायसवाल और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शानदार बल्लेबाजी की। शुभमन गिल इस मैच में नहीं खेल रहे थे और उनकी जगह संजू सैमसन (0) को मौका दिया गया था। हालांकि, संजू खाता नहीं खोल सके। जायसवाल (15 गेंदों पर 30) और सूर्यकुमार (12 गेंदों पर 26) ने डकवर्थ लुईस नियम के तहत आठ ओवरों में मिले 78 रन के लक्ष्य को 6.3 ओवर में हासिल कर लिया। इससे पहले भारत ने श्रीलंका को 20 ओवर में नौ विकेट पर 161 रन ही बनाने दिया था।

आशीष नेहरा ने उड़ाया यशस्वी जायसवाल का मजाक, जानें क्या कहा ?

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय टीम में रोहित–विराट के होने से टीम में यशस्वी जायसवाल की जगह नहीं बन पा रही थी। दोनों के टी20 इंटरनेशनल से संन्यास के बाद यशस्वी का प्लेइंग 11 में स्थान पक्का हो गया है। वहीं श्रीलंका सीरीज के दौरान इस मुद्दे पर आशीष नेहरा ने इस युवा बैटर के जमकर मजे लिए।

भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं उससे साबित होता है कि वो लंबी रेस का घोड़ा है। श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में यशस्वी ने पहले दोनों मैचों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की है। हालांकि, हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय स्क्वॉड में यशस्वी शामिल थे लेकिन उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला। लेकिन अपनी परफॉर्मेंस की बदौलत उन्होंने भारत की प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह पक्की कर ली है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय टीम में रोहित–विराट के होने से टीम में यशस्वी जायसवाल की जगह नहीं बन पा रही थी। दोनों के टी20 इंटरनेशनल से संन्यास के बाद यशस्वी का प्लेइंग 11 में स्थान पक्का हो गया है। वहीं श्रीलंका सीरीज के दौरान इस मुद्दे पर आशीष नेहरा ने इस युवा बैटर के जमकर मजे लिए। सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने एक वीडियो शेयर किया है। इसमें आशीष नेहरा कहते हैं कि, अभी अजय जडेजा ने आपको बोला ना, क्या फर्क होता है, जब विराट कोहली होते हैं, रोहित शर्मा होते हैं। तो मेरे हिसाब से एक ही फर्क होता है कि जितने भी हमने स्ट्रोक देखे हैं, तो वो दोनों वहां पर होते इस फॉर्मेट में अभी तक तो आपको वो शॉट्स् नेट में खेलने पड़ते। यहां पर मैच में खेलने को मिल रहे हैं अगर वो नहीं हैं तो, अरे भाई दो ही लोग खेल सकते हैं। नेहरा ये बोलकर खुद तो हंसते ही हैं, उनके साथ यशस्वी जायसवाल भी जोर–जोर से हंसने लगते हैं। दरअसल, यशस्वी से पूछा गया था कि विराट–रोहित के टी20 इंटरनेशनल स्क्वॉड में रहने और नहीं रहने से क्या फर्क नजर आ रहा है। इसके जवाब में नेहरा जो बोले, उसे सुनकर आप भी अपनी हंसी कंट्रोल नहीं कर पाएंगे। नेहरा अक्सर अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते हैं।

वनडे सीरीज के लिए रोहित शर्मा, केएल राहुल और श्रेयस अय्यर पहुंचे श्रीलंका

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा क्रिकेट से छोटे से ब्रेक पर थे। उनके अलावा विराट कोहली भी ब्रेक पर चले गए थे। केएल राहुल और श्रेयस अय्यर दोनों ही आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 भारतीय स्क्वॉड का हिस्सा नहीं थे। इसके अलावा कुलदीप यादव को भी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद ब्रेक मिला था। विराट और रोहित दोनों ही टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं। अब वनडे सीरीज के लिए पहुंच गए हैं। 30 जुलाई से भारत और श्रीलंका के बीच 2 अगस्त से वनडे सीरीज खेली जाएगा। क्रिकबज की खबर के मुताबिक कप्तान रोहित, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, कुलदीप यादव और हर्षित राणा वनडे सीरीज की तैयारी के लिए कोलंबो पहुंच चुके हैं। वहीं टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर भी पालेकल से कोलंबो पहुंच गए हैं। अभिषेक नायर की देख–रेख में रोहित, विराट कोहली, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, कुलदीप और हर्षित राणा वनेड सीरीज की तैयारियों में जुटेंगे। वनडे स्क्वॉड के बाकी खिलाड़ी इस समय श्रीलंका के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज का हिस्सा हैं, टी20 सीरीज खत्म होने के बाद बाकी खिलाड़ी कोलंबो रवाना होंगे।

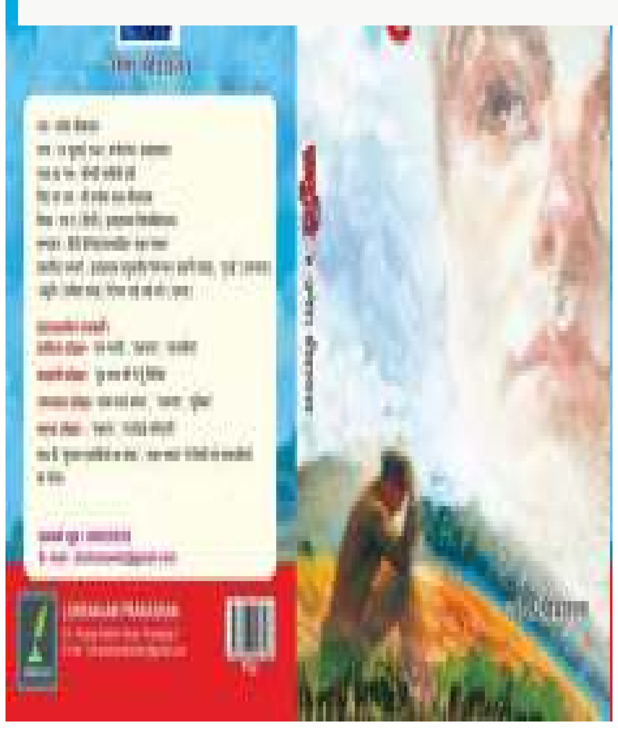

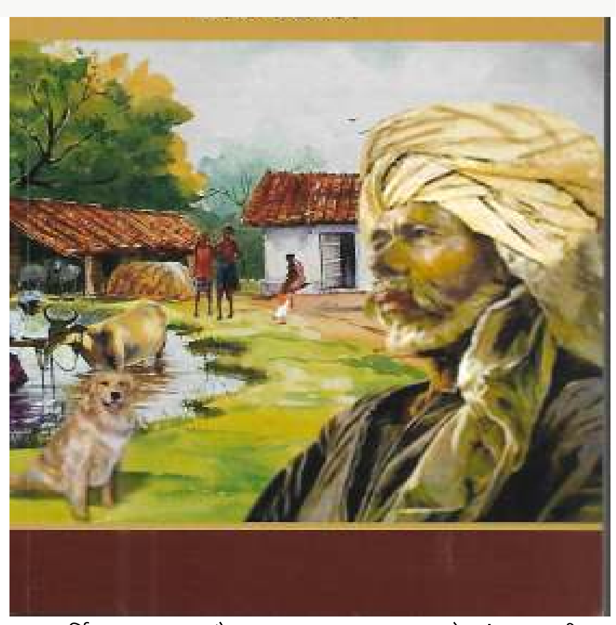

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

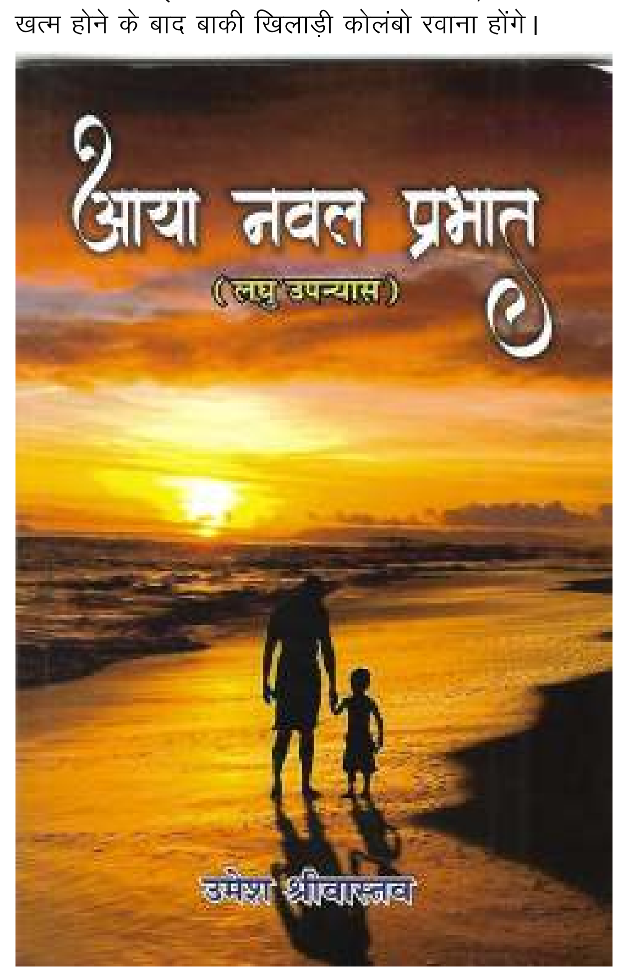

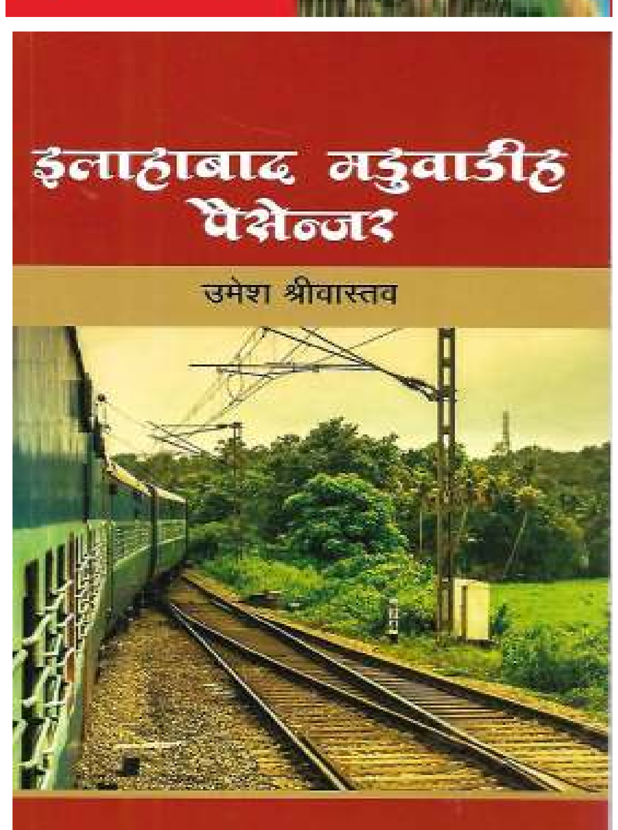

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

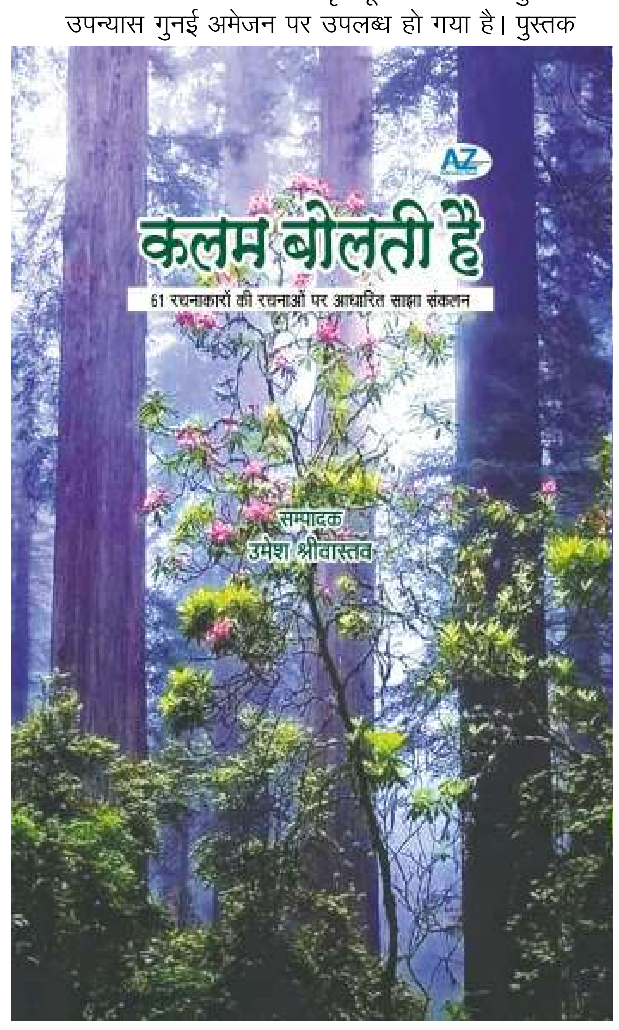

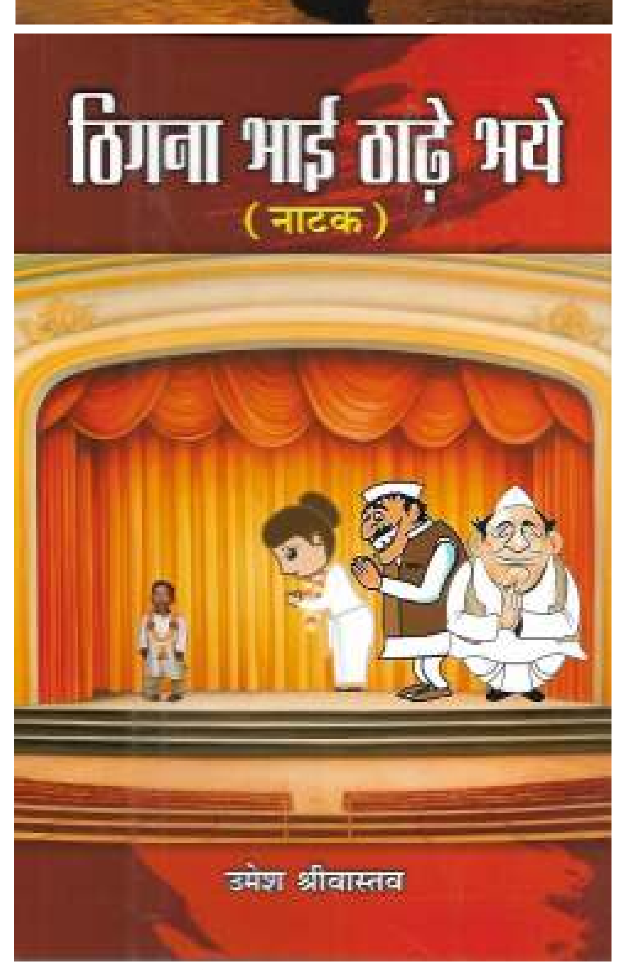

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

बिलावल भुट्टो जरदारी की पार्टी इमरान खान से बातचीत को तैयार

बिलावल भुट्टो जरदारी नीत पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने कहा है कि अगर पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान बातचीत करने के इच्छुक हों, तो उनकी पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री के साथ बातचीत करने को तैयार है। खान फिलहाल जेल में बंद हैं। पीपीपी के वरिष्ठ नेता

खुर्शीद शाह ने बलूचिस्तान की प्रांतीय राजधानी क्वेटा में मीडिया से बात करते हुए कहा, ''ऐसा कहा जा रहा है कि पीटीआई संस्थापक बातचीत के लिए तैयार हैं। अगर इमरान खान बातचीत के लिए तैयार हैं तो यह सकारात्मक बात है।'' शाह ने बातचीत की संभावना का स्वागत करते हुए इसे सकारात्मक घटनाक्रम बताया। समाचारपत्र 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने शाह के हवाले से कहा, ''राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने हमेशा बातचीत के जरिए समस्याओं को सुलझाने की कोशिश की है और जरूरत पड़ने पर पीपीपी अपनी भूमिका निभाएगी।'' पीपीपी की खान की पार्टी के साथ सहयोग करने की इच्छा, पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ पीटीआई के सख्त रुख के बाद बढ़ी हुई राजनीतिक अस्थिरता के बीच सामने आई है।

उत्तर–पश्चिम पाकिस्तान में दो जनजातियों के बीच सशस्त्र संघर्ष में 36 लोग मारे गए, 162 घायल

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में जमीन के एक टुकड़े के लिए दो कबाइली समूहों के बीच सशस्त्र संघर्ष में कम से कम 36 लोग मारे गए और 162 घायल हो गए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ऊपरी कुर्रम जिले के बोशेरा गांव में पांच दिन पहले भीषण झड़पें शुरू हो गई थीं। इस गांव में पहले भी

जनजातियों और धार्मिक समूहों के बीच घातक संघर्ष के साथ–साथ सांप्रदायिक झड़पें और आतंकवादी हमले हो चुके हैं। पुलिस ने बताया कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में पिछले पांच दिन में जनजातीय संघर्ष में 36 लोग मारे गए और 162 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि अधिकारियों ने आदिवासी बुजुर्गों, सैन्य नेतृत्व, पुलिस और जिला प्रशासन की मदद से कुछ समय पहले बोशेरा, मलिकेल और डंडार इलाकों में शिया तथा सुन्नी जनजातियों के बीच समझौता कराया है। हालांकि, जिले के कुछ अन्य हिस्सों में गोलीबारी अभी भी जारी है। वहीं, एक अधिकारी ने बताया कि शेष क्षेत्रों में भी संघर्षविराम के प्रयास किए जा रहे हैं।

जर्मनी में अमेरिकी मिसाइलों की तैनाती होने पर रूस भी जवाबी कार्रवाई करेगा : पुतिन

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को कहा कि जर्मनी में अमेरिका द्वारा लंबी दूरी की और हाइपरसोनिक मिसाइलों की तैनाती की योजना के जवाब में रूस नये हमलावर हथियार तैनात कर सकता है। सेंट पीटर्सबर्ग में एक नौसैनिक परेड में, पुतिन ने जवाबी उपाय करने का संकल्प लिया। अमेरिका ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की थी कि वह 2026 में हथियारों की तैनाती शुरू कर देगा ताकि फरवरी 2022 में यूक्रेन में मॉस्को के चौतरफा आक्रमण के बाद, उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और यूरोपीय देशों की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि कर सके।

हम जैसे काराबाख–लीबिया में घुसे वैसा ही इजरायल में भी कर सकते हैं, तुर्किए का नेतन्याहू को सीधा अल्टीमेटम

तुर्किये ने कहा कि जिस तरह नरसंहारक हिटलर का अंत हुआ, उसी तरह इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का भी अंत होगा। तुर्की के विदेश मंत्रालय ने कहा कि जिस तरह नरसंहार करने वाले नाज़ियों को जवाबदेह ठहराया गया था, उसी तरह जो लोग फिलिस्तीनियों को नष्ट करना चाहते हैं उन्हें भी जवाबदेह ठहराया जाएगा। उन्होंने कहा कि मानवता फिलिस्तीनियों के साथ खड़ी रहेगी। आप ऐसा नहीं कर पाएंगे। हम जैसे काराबाख में घुसे, जैसे लीबिया में घुसे वैसा ही हम कर सकते हैं। ऐसी कोई वजह नहीं है कि हम ऐसा न कर पाए। एक्स पर तुर्की के विदेश मंत्री हाकन फ़िदान ने कहा कि हमारे राष्ट्रपति मानवता की अंतरात्मा की आवाज़ बन गए हैं। जो लोग इस उचित आवाज़ को चुप कराना चाहते हैं, ख़ासकर इज़राइल सहित अंतर्राष्ट्रीय ज़ायोनी बहुत घबराए हुए हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास ने सभी नरसंहार अपराधियों और उनके समर्थकों का इसी तरह अंत किया है। ये बयान इज़रायली विदेश मंत्री इज़राइल काट्ज़ द्वारा सोशल मीडिया पर तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन का अपमान करने के बाद आए हैं। इससे पहले रविवार को एर्दोगन ने इजरायली शासन को धमकी दी थी कि तुर्की फिलिस्तीनी लोगों का समर्थन करने के लिए कब्जे वाले फिलिस्तीन में सेना भेजेगा। गाजा में चल रहे नरसंहार का

जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हमें बहुत मजबूत होना चाहिए ताकि इजरायल फिलिस्तीन के साथ ये चीजें न कर सके। अमेरिकी संसद में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के संबोधन का कुछ शीर्ष सांसदों ने बहिष्कार किया। वहीं, हजारों लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए देश की राजधानी वाशिंगटन की ओर मार्च किया। नेतन्याहू ने अपने संबोधन के दौरान गाजा में जारी युद्ध का बचाव किया और अमेरिकी प्रदर्शनकारियों की निंदा की। उन्होंने नौ महीने से जारी युद्ध में पूर्ण विजय होने तक इसे जारी रखने का संकल्प लिया। नेतन्याहू ने हमास के खिलाफ जंग में अमेरिका की ओर से दी जा रही मदद को बढ़ाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजराइल को एक दूसरे के साथ खड़ा होना चाहिए। जब हम एक साथ खड़े होते हैं तब सचमुच कुछ बड़ा होता है: हम जीतते हैं, वे हारते हैं। नेतन्याहू ने युद्ध को लेकर अपने देश का बचाव किया, साथ ही युद्ध का विरोध करने वालों का उपहास भी किया।

खेलते बच्चों पर हिजबुल्लाह ने गिराया बम, अमेरिका से लौट क्या कहर लाएंगे नेतन्याहू ?

गोलान हाइट्स में हुए हमले में 12 बच्चों की मौत के बाद, इज़राइल ने घोषणा की है कि दुनिया के पास मध्य पूर्व में पूर्ण युद्ध को रोकने का आखिरी मौका है। इज़राइल ने कहा कि युद्ध को रोकने की जिम्मेदारी हिजबुल्लाह पर है। इसने कहा कि राष्ट्र अपनी रक्षा करने का अधिकार सुरक्षित रखता है और निश्चित रूप से हमले का जवाब देगा। इजराइल नियंत्रित गोलान हाइट्स के मजदल शम्स शहर में एक फुटबॉल मैदान पर एक रॉकेट गिरा। कम से कम 12 बच्चे मारे गए और 30 से अधिक घायल हो गए। हमले के तुरंत बाद, इज़राइल ने कहा कि रॉकेट हिजबुल्लाह द्वारा दागा गया था, लेकिन लेबनान स्थित आतंकवादी समूह ने इसे दागने से इनकार किया। शीर्ष इज़रायली नेताओं ने हमले के

लिए हिज़्बुल्लाह को दंडित करने की कसम खाई है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इस हमले के लिए इज़राइल को हिजबुल्लाह पर अभूतपूर्व लागत चुकानी पड़ेगी, विदेश मंत्री इज़राइल काट्ज़ ने कहा कि यह सभी लाल रेखाओं को पार कर गया है। इज़राइल का पूरा राष्ट्र मारे गए लोगों के परिवारों और पूरे ड्रूज़ समुदाय के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है। इजराइल इस जानलेवा हमले को नजरअंदाज नहीं करेगा. नेतन्याहू ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, हिजबुल्लाह को इसके लिए भारी कीमत चुकानी पड़ेगी जो उसने अब तक नहीं चुकाई है।

बच्चों की मौत पर मातम

रॉकेट हमले में कई छोटे बच्चों और किशोरों की मौत हुई है। गोलन हाइट्स में हजारों लोगों ने नम आंखों से इन बच्चों को विदाई दी। लोगों ने इस दौरान इस्राइली अधिकारियों पर अपना गुस्सा निकाला। कहा कि अब तुम यहां आए हो? 10 महीने हो गए तुम नहीं आए। ऐसा कहने पर लोगों ने समर्थन में तालियां बजाई।

एक और युद्ध न शुरू हो जाए

गोलन हाइट्स में हुए हमले को लेकर दुनियाभर के बड़े देशों को डर है कि एक और युद्ध का मोर्चा लेबनान में खुल सकता है। अब सभी की निगाहें इस्राइल के फैसले पर हैं। हिज्बुल्लाह उसका निशाना है। हिज्बुल्लाह ने जवाब में कहा कि यह पहली बार नहीं है जब इस्राइली आयरन डोम से मिसाइलें चूक गईं और मजदल शम्स और कब्जे वाले इलाकों के आसपास जाकर गिरी।

'उनके न जीतने की कोई वजह ही नहीं'

राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस को लोकप्रिय लेखक सलमान रुश्दी का समर्थन

वाशिंगटन। मुंबई में जन्मे लेखक सलमान रुश्दी ने अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस की उम्मीदवारी का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि हैरिस ही एक वह शख्स हैं, जो पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को देश को अधिनायकवाद की ओर खींचने से रोक सकती हैं। रुश्दी ने रविवार को एक वर्चुअल 'साउथ एशियन मेन फॉर हैरिस' कार्यक्रम के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति हैरिस के प्रति अपना समर्थन जताया। इस दौरान सांसद, लेखक, नीति विशेषज्ञ, उद्यमी और प्रवासी संगठनों सहित भारतीय–अमेरिकी समुदाय के कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। लेखक ने कहा, श्यह एक महत्वपूर्ण पल है। मैं मुंबई का लड़का हूं और एक भारतीय महिला को व्हाइट हाउस के लिए चुनाव लड़ते देखना बहुत अच्छा है। मेरी पत्नी अफ्रीकी–अमेरिकी हैं, इसलिए हमें यह तथ्य पसंद आया कि एक अश्वेत और भारतीय महिला व्हाइट हाउस के लिए चुनाव लड़ रही है।

बीते दिनों बाइडन हुए थे चुनावी दौड़ से बाहर

गौरतलब है, कुछ दिन पहले यानी 21 जुलाई को 81 साल के जो बाइडन ने चुनावी दौड़ से बाहर होने का एलान कर सबको चौंका दिया था। हालांकि, राष्ट्रपति बाइडन ने 59 साल की कमला हैरिस को अपना समर्थन दिया था। वहीं, 26 जुलाई को पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी उनका समर्थन किया है। अगले महीने डेमोक्रेट्स उन्हें आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित कर सकती हैं।

हेली के लिए नहीं होता ऐसे कोई इकट्ठा

77 वर्षीय ब्रिटिश–अमेरिकी उपन्यासकार ने यह भी कहा कि जातीयता अपने आप में पर्याप्त नहीं है। उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी के उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वेंस की भारतीय–अमेरिकी पत्नी और दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर भारतीय–अमेरिकी का जिक्र करते हुए कहा, हम इस तरह से उषा वैंस या निक्की हेली के लिए इकट्ठा नहीं होते।

डनप्रन ने मालदीव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में सहयोग के लिए भारत, चीन का आभार जताया

बीजिंग/माले । मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने उनके देश की कमजोर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद करने के लिए भारत और चीन का आभार व्यक्त किया है तथा द्वीपीय देश के ऋण संकट को दूर करने में नयी दिल्ली और बीजिंग के महत्व को रेखांकित किया। मुइज्जू ने शुक्रवार को मालदीव के 59वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित एक

आधिकारिक समारोह में कहा कि उनके देश के ऋण को चुकाने में चीन और भारत सबसे अधिक सहायता प्रदान करते हैं। समाचार पोर्टल 'अधाधू डॉटकॉम' ने मुइज्जू के हवाले से कहा, ''मैं मालदीव के लोगों की ओर से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, हमारी आर्थिक संप्रभुता को कायम रखने और मालदीव के लोगों की खातिर इस प्रयास में उनके सहयोग के लिए चीन सरकार और भारत सरकार का आभार व्यक्त करता हूं।'' उन्होंने भारत द्वारा दी गई 400 करोड़ रुपये की सहायता की भी सराहना की। मुइज्जू पिछले साल भारत विरोधी अभियान के सहारे सत्ता में आए थे। इस अभियान के दौरान, भारत द्वारा दान किए गए हेलीकॉप्टर और डोर्नियर विमान का संचालन करने वाले लगभग 80 भारतीय सैन्य कर्मियों को स्वदेश (भारत) बुलाने की मांग की गई थी। मुइज्जू ने शुक्रवार को कहा कि चीन ने ऋण की अदायगी पांच साल के लिए स्थगित करने को हरी झंडी दे दी है जो कि मालदीव को श्रीलंका जैसी (वित्तीय संकट की) स्थिति में जाने से बचाने के लिए एक बड़ी राहत होगी।

'मुझे हराया तो दूंगा 10 लाख डॉलर', ट्रंप ने बाइडन को दिया था साथ में गोल्फ खेलने का प्रस्ताव, जानें वाकया

वॉशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति पद की रेस लगातार दिलचस्प होती जा रही है। इस साल के अंत में होने वाले चुनावों को लेकर पहले ही रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से ट्रंप और डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से बाइडन ने कमर कस ली थी। हालांकि, ट्रंप के खिलाफ एक खराब डिबेट ने व्हाइट हाउस की इस रेस में बाइडन की मुश्किलें बढ़ा दीं और अंततः उन्हें कमला हैरिस को आगे कर इस दौड़ से पीछे हटना पड़ा। हालांकि, यह डिबेट पहला मौका नहीं था, जब ट्रंप की तरफ से बाइडन को चुनौती मिली। इससे पहले भी ट्रंप ने मौजूदा राष्ट्रपति को गोल्फ के खेल के लिए चुनौती दी थी। इतना ही नहीं ट्रंप ने यह भी कहा था कि अगर बाइडन उन्हें हरा देंगे तो वह उन्हें 10 लाख डॉलर देने के लिए तैयार हैं। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में इस पूरे वाकये का खुलासा किया। मिनेसोटा के सेंट क्लाउड में एक रैली के दौरान ट्रंप ने बताया कि उन्होंने बाइडन को गोल्फ के गेम के लिए चुनौती दी थी। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने चुनौती दी थी कि बाइडन जिस कोर्स (गोल्फ के मैदान) पर खेलना चाहें, वह वहां खेलने के लिए तैयार हैं और अगर राष्ट्रपति उन्हें हरा देते हैं तो वह 10 लाख डॉलर तक देने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने मजे लेते हुए कहा कि बाइडन के पास उन्हें हराने का कोई मौका ही नहीं था। बाद में राष्ट्रपति ने खुद गोल्फ खेलने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। रिपोर्ट्स की मानें तो गोल्फ खेलने को लेकर ट्रंप और बाइडन के बीच चर्चा जून में शुरू हुई थी। यह वही समय था, जब ट्रंप और बाइडन के बीच राष्ट्रपति पद के लिए पहली डिबेट प्रस्तावित थी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।